twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 18 मई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 189, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पीएम मोदी 22 मई को करेंगे 103 अमृत भारत स्टेशन का उद्घाटन

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर जा रहे है। इस दौरान वे कई महत्वपूर्ण योजना का शुभारंभ करेंगे। साथ ही वे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में तैयार किए गए 103 आधुनिक रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। ये सभी स्टेशन अत्याधुनिक सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इन स्टेशनों में भारतीय संस्कृति, विरासत और आधुनिकता का समावेश किया गया है। रेल मंत्रालय का कहना है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीकानेर के पास पाकिस्तान सीमा से सटे देशनोक रेलवे स्टेशन से इस मेगा प्रोजेक्ट की शुरूआत करेंगे। इसी मंच से वे देशभर के दूसरे 102 स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन भी करेंगे। राजस्थान के देशनोक, बूंदी, मांडलगढ़ और गोगामेड़ी स्टेशनों के अलावा देश के बाकी स्टेशनों को वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। इनमें उत्तर प्रदेश का सहारनपुर जंक्शन, उ बिजनौर, गोवर्धन, बरेली सिटी, सिद्धार्थनगर, गोला गोकर्णनाथ, करछना, ईदगाह आगरा जंक्शन शामिल है। गुजरात से देरोल, सिहोर जंक्शन, सामाखियाली जंक्शन, पालिताना, मोरबी, डाकोर, हापा, मीठापुर है। छत्तीसगढ़ से भिलाई, भानुप्रतापपुर, अंबिकापुर शामिल है। इसके अलावा बिहार से पीरपैंती, थावे जंक्शन और झारखंड राजमहल, गोविंदपुर रोड शामिल है। जबकि दक्षिण भारत के राज्य से कर्नाटक से बगलकोट, धारवाड औ केरल से वडकरा, चिराईनिकिल स्टेशन शामिल है।

पाक में 100 किमी अंदर घुसकर आतंकियों को मारा: शाह

ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय जवानों की जमकर की सराहना

गांधीनगर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज गुजरात के दौरे पर रहे। गांधीनगर में अमित शाह ने 708 करोड़ रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर भी अपनी बातों को रखा और भारतीय सेना की सराहना की। गृहमंत्री ने यहां पर कहा कि भारतीय सेना ने पहली बार पाकिस्तान में 100 किलोमीटर भीतर आतंकियों के शिविरों को नष्ट किया। उन्होंने कहा कि हमने 9 ऐसे स्थलों को नष्ट कर दिया जहां आतंकियों को प्रशिक्षित किया जाता था और उनके ठिकाने थे।

आतंकियों को ठिकानों को भारतीय सेना ने किया नष्ट

गांधीनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर घुसकर हमला किया और आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया।

उन्होंने कहा कि जो लोग हमें धमकाते थे कि उनके पास परमाणु बम हैं, उन्हें लगता था कि हम डर जाएंगे। लेकिन, हमारी सेना, नौसेना और वायु सेना ने उन्हें ऐसा करारा जवाब दिया है कि पूरी दुनिया हमारी सेना के धैर्य और पीएम मोदी के दृढ़ नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है। मैं हमारे सशस्त्र बलों की वीरता को सलाम करता हूं।

पाकिस्तान के 15 हवाई ठिकानों पर सटीक हमला

गृहमंत्री शाह ने कहा यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान ने पूरी पश्चिमी सीमा पर हमला करने का दुस्साहस किया, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी वायु रक्षा प्रणाली इतनी उत्तम हो गई है कि कोई भी मिसाइल या ड्रोन भारत की भूमि तक नहीं पहुंच पाया।

भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब: अमित शाह

100 से अधिक दुर्दांत आतंकवादियों को मारने के बाद भी पाकिस्तान सोच में ही था और हमने उनके 15 हवाई ठिकानों पर हमला किया, लेकिन हमने उनके लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया हमने उनकी हवाई हमले की क्षमता को नष्ट कर दिया।

भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाबः शाह

इस कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। जो लोग सियालकोट और अन्य आतंकवादी शिविरों में छिपे हुए थे, जिन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाई थी; 'उन सबको हमारे बम के धमाकों की गूंज ने एक स्पष्ट संदेश भेजा है' अगर भारत के लोगों के साथ कोई आतंकवादी गतिविधि होती है, तो जवाब दोगुनी ताकत से दिया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने कहा यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान ने पूरी पश्चिमी सीमा पर हमला करने का दुस्साहस किया, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी वायु रक्षा प्रणाली इतनी उत्तम हो गई है कि कोई भी मिसाइल या ड्रोन भारत की भूमि तक नहीं पहुंच पाया।

आपरेशन सिंदूर है ओसामा बिन लादेन को मारने जैसा: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की तुलना अमेरिका की ओर से पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन को मार गिराने की कार्रवाई से की। उन्होंने यह भारत मंडपम में आयोजित जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षा समारोह में कहा। उन्होंने पाकिस्तान में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर भारत द्वारा की गई कार्रवाई को देश की अब तक की सबसे गहरी सीमा-पार स्ट्राइक बताया और 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमलों को याद किया। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक नया "वैश्विक मानदंड" स्थापित किया है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पहली बार जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए, और केवल आतंकवादियों को ही निशाना बनाया गया। उपराष्ट्रपति ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार से वैश्विक समुदाय को एक स्पष्ट संदेश दिया था। उन्होंने कहा, वो शब्द खोखले नहीं थे। अब दुनिया ने उसे समझ लिया है।

भारत विरोधी देशों की अर्थव्यवस्था को भारतीय को समर्थन नहीं मिले

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत विरोधी रुख अपनाने वाले देशों की अर्थव्यवस्था को भारत के नागरिकों का समर्थन नहीं मिलना चाहिए।

बालासाहेब ठाकरे सच्चे हिंदुत्व के प्रतीक थे- शिंदे

मुंबई

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने (शिवसेना यूबीटी) सांसद संजय राउत के किताब नरकातला स्वर्ग (नरक में स्वर्ग) के विमोचन से पहले उद्धव गुट पर तीखी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने सिर्फ सत्ता के लिए बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व की विचारधारा को छोड़ दिया है।

न्यायपालिका का लोगों से दूरी बनाए रखना असरदार नहीं: सीजेआई गवई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के नव-नियुक्त सीजेआई बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि जज जमीनी हकीकत को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। वे बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान सीजेआई गवई ने सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और उनका जवाब देने में जजों की भूमिका पर जोर दिया। सीजेआई गवई ने कहा कि आज की न्यायपालिका मानवीय अनुभवों की जटिलताओं को नजरअंदाज करते हुए कानूनी मामलों को सख्त काले और सफेद शब्दों में देखने का जोखिम नहीं उठा सकती।

सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायपालिका में लोगों से दूरी रखना असरदार नहीं है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट के जजों को लोगों से जुड़ने से बचना चाहिए।

सीजेआई गवई ने जज का पद मिलने की अपनी शुरूआती हिचकिचाहट के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने उनसे कहा था कि वकील के रूप में काम करना आर्थिक समृद्धि लाएगा।

पाक के आतंकी चेहरे को बेनकाब करेगी सांसदों की सात टीमें, देंगे भारत का संदेश

नई दिल्ली

सैन्य मोर्च पर चित्त करने के बाद अब भारत ने कूटनीतिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान को पटखनी देने की तैयारी कर ली है। इसके तहत सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का एलान किया गया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे और पाकिस्तान को घेरने की कोशिश करेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में छह से सात सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। हर प्रतिनिधिमंडल चार से पांच देशों का दौरा करेगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सबसे अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका भेजा जा सकता है। अमेरिका दुनिया की सबसे ताकतवर आवाज है। इसके आधार पर कहा जा सकता है कि शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सबसे अहम जिम्मेदारी मिली है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, अल्जीरिया भेजा जा सकता है। वहीं सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को ओमान, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और मिस्त्र की सरकारों को ब्रीफ करने के लिए भेजा जा सकता है।

आईएसआई भारत में खालिस्तानी समर्थकों को उकसा रही

पंजाब-हरियाणा में आतंकी नेटवर्क दोबारा एक्टिव कर रही; पुलिस-सेना, सरकारी दफ्तर टारगेट पर

नई दिल्ली

पाकिस्तान से भारत का तनाव भले ही कम हो गया हो, लेकिन भारत में अशांति फैलाने के एजेंडे पर पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई अभी भी काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, क्रकने युद्धविराम की घोषणा के बाद खालिस्तान समर्थकों को उकसाना शुरू कर दिया है, जिससे कि भारत में कोई बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया जा सके। आईएसआई कनाडा में खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू और दूसरे खालिस्तानी आतंकियों की मदद ले रहा है। इनके जरिए पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों में खालिस्तानी आतंकियों के नेटवर्क को फिर से एक्टिव करने का काम शुरू कर दिया है। खालिस्तानी आतंकियों की साजिश भारत में पुलिस थानों, सेना व सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की है। साजिश को अंजाम देने के लिए बीते कुछ दिनों में एक नया पैटर्न देखने को मिला है। फरार खालिस्तानी आतंकी अब फिर से भारत आने लगे हैं, ताकि यहां किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया जा सके। खुफिया एजेंसियों ने इसको लेकर देश की सभी सुरक्षा जांच एजेंसियों को आगाह किया है। इसके बाद से एनआईए, पंजाब-दिल्ली-चंडीगढ़ पुलिस व अन्य राज्यों की पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। कुछ राज्यों पर कार्रवाई भी की गई है। पहला

नाभा जेल ब्रेक का आरोपी और 10 लाख का इनामी आतंकी कश्मीर सिंह 9 साल बाद भारत लौटा और बिहार से गिरफ्तार हुआ।

भारत की बात करने वालों से नफरत क्यों करते हैं राहुल: भाजपा

नई दिल्ली

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे। जिनमें से कुछ प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता कर रहे हैं जबकि कुछ की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। एक प्रतिनिधिमंडल की कमान कांग्रेस सांसद शशि थरूर को मिली है। जिसे पर सियासी बवाल मचा हुआ है, क्योंकि कांग्रेस ने उनका नाम प्रस्तावित किया था। अब इसे लेकर कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

केंद्र ने खुद थरूर का नाम किया प्रस्तावित

सरकार ने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने के लिए जिन नेताओं का चयन किया है, उनमें सत्तारूढ़ दलों से भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, एनडीए में शामिल शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता संजय झा, विपक्षी दलों में कांग्रेस के शशि थरूर, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राकांपा-एसपी की सुप्रिया सुले शामिल हैं। शशि थरूर के नाम को लेकर अब सियासत हो रही है। दरअसल कांग्रेस ने जिन चार नामों का प्रस्ताव भेजा था, उनमें शशि थरूर का नाम नहीं था। केंद्र सरकार ने थरूर का नाम खुद से प्रस्तावित किया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सरकार पार्टी से विचार विमर्श किए बिना उसके किसी सांसद को शामिल नहीं कर सकती। उनका यह भी कहा कि यह अच्छी लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले सांसद अपनी पार्टी नेतृत्व से अनुमति लेते हैं।

हरियाणा बोर्ड का दसवीं का परिणाम घोषित

चंडीगढ़

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इसमें 92.49फीसदी छात्र पास हुए। सरकारी स्कूलों का परिणाम 89.30 फीसदी रहा है। प्राइवेट स्कूलों का रिजल्ट 96.28फीसदी रहा। नतीजों में रेवाड़ी पहले, चरखी दादरी दूसरे और महेंद्रगढ़ तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, नूंह सबसे फिसड्डी रहा। बीस छात्र टॉपर रहे है इनमें पहले नंबर पर हिसार का रोहित, अंबाला की माही और झज्जर की रोमा व तान्या शामिल हैं। इन्हें 500 में से 497 नंबर मिले हैं। दूसरे नंबर पर 6 छात्र हैं, जिनमें पानीपत का अक्षित सहरावत, कैथल का योगेश, पानीपत की रिंकू, रोहतक की दिव्यांशी और दीक्षा, हिसार की सुनैना शामिल हैं। इनके 500 में से 496 नंबर हैं। तीसरे नंबर पर जींद की निधि, रोहतक की मानसी, चरखी दादरी की रमा व अक्षिता, हिसार की गर्विता व खुशबू, रेवाड़ी की खुशी, भिवानी की मेघा, करनाल की जीना चौहान, झज्जर की ईशू शामिल हैं।

सैनिकों ने साहस के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को दिया अंजाम: सैनी

चण्डीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है उससे एहसास होता है कि यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक भी बन चुका है। मुख्यमंत्री ने यह बात आज लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांव बुहावी में तिरंगा यात्रा से पूर्व उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कही। इस अवसर पर भारी संख्या में उपस्थित युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री की अगुवाई में तिरंगा यात्रा में भाग लिया और देश के वीर सैनिकों व ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में चलाई जा रही इस मुहिम में बढ़-चढ़ कर योगदान दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गावं बुहावी की ग्राम पंचायत को विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का यह दिन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति के जज्बे और बलिदान की भावना को सच्ची श्रद्धांजलि देने का अवसर है। हम यहां तिरंगा यात्रा के माध्यम से उन महान सपूतों को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत देश की रक्षा की और चार दिनों में ही पाकिस्तान को घुटनों पर लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि वे उन वीर सैनिकों को नमन करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लिया। साथ ही वे उन माताओं को भी प्रणाम करते हैं जिन्होंने ऐसे वीरों को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि आज उपस्थित सभी लोग इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से संकल्प लें कि वे आतंक के विरुद्ध हमेशा एकजुट खड़े रहेंगे।

गांव की मिट्टी के कण-कण में बसी है देशभक्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की वीर भूमि से लाखों जवान भारत माता की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे गांव-गांव के जवान वीरता की मिसाल बन चुके हैं। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से आपने पूरे हरियाणा और देश को यह संदेश दिया है की देशभक्ति गांव की मिट्टी के कण-कण में बसी हुई है।

सैन्य के साथ साथ गैर-सैन्य कार्रवाइयां भी की

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर ही नहीं बल्कि गैर-सैन्य कार्रवाइयां करते हुए सिंधु जल संधि निलंबित करने के साथ-साथ वीजा, व्यापार सब कुछ बंद कर दिया। भारत में रह रहे पाक नागरिकों को वापिस भेजा, साथ ही अटारी बॉर्डर सील किया गया और पाकिस्तान को पूरे संसार से अलग-थलग कर दिया। उन्होंने कहा कि यह युद्ध नहीं था, यह नए भारत का प्रतिशोध था। नायब सिंह सैनी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीता नवमी के दिन नौ ठिकानों पर हमला किया गया।

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया सब-वे और मल्टी मॉडल हब का उद्घाटन

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जंक्शन के पास सब-वे का शुभारम्भ और स्मार्ट सिटी के तहत पटना के जीपीओ गोलंबर के नजदीक बने मल्टी मॉडल हब का उद्घाटन किया। पटना जंक्शन के सामने एक 440 मीटर लंबा अंडरग्राउंड सब-वे और इसके ऊपर तीन मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग बनाई गई है। इसमें रेस्टोरेंट, एटीएम से लेकर दुकानें तक हैं।

जीपीओ गोलंबर से पटना जंक्शन गोलंबर वाया न्यू मार्केट एरिया में पीक आवर में गाड़ियां रेंगती रहती है। पटना जंक्शन पर गाड़ियों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था भी अब तक नहीं थी। अभी जीपीओ गोलंबर के पास ही बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड भी है। ऐसे में लोगों को स्टेशन आने और जाने में काफी परेशानी हो रही थी। इसके उद्घाटन के बाद अब जंक्शन के पास से खुलने वाली बसों को यहीं पार्क किया जाएगा। ऑटो को भी यहीं खड़े करने की व्यवस्था होगी। आम जन के लिए यह रविवार , यानी 18 मई से शुरु होगा। मल्टी मॉडल हब और टनल की देखरेख की जिम्मेदारी स्मार्ट

सिटी लिमिटेड की ही होगी। इसके रखरखाव और देखरेख के लिए टेंडर के माध्यम से एजेंसी का चयन किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से हर जरूरी बंदोबस्त किए गए हैं। हर एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। आग से बचाव के लिए हर मंजिल पर सेंट्रलाइज्ड फायर इस्टिंग्विशर का सेटअप तैयार किया गया है।पूरे टनल में सेंट्रलाइज्ड एसी का सेटअप किया गया है। टनल में सीसीटीवी कैमरे, लाइट्स, डिस्प्ले स्क्रिन और साउंड सिस्टम भी है। साउंड सिस्टम के जरिए लोगों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि टनल के किस गेट के जरिए किस साइड बाहर निकला जा सकता है।' टनल में तीन एंट्री और एग्जिट गेट बनाए गए हैं। इससे जीपीओ गोलंबर और इस्कॉन टेंपल की तरफ से लोग आसानी से पटना जंक्शन पहुंच सकते हैं। गाड़ियों की बेहतर पार्किंग के साथ स्टेशन आने-जाने में भी लोगों को सहूलियत होगी। सब-वे से पैसेंजर्स को महावीर मंदिर जाने में सुविधा होगी।मल्टी मॉडल हब को पटना जंक्शन, मेट्रो स्टेशन और बुद्ध स्मृति पार्क के पास बने मल्टी मॉडल पार्किंग से स्मार्ट और अल्ट्रा मॉडल टनल से जोड़ा गया है।

पोप लियो चौदहवे के अधिष्ठापन समारोह के भारतीय प्रतिनिधिमंडल वेटिकन सिटी जायेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार का एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल वेटिकन सिटी में 18 मई को होने वाले पोप लियो चौदहवे के अधिष्ठापन समारोह में भाग लेगा। इसमे राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश और नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यंथुंगो पैटन शामिल हैं। यहां जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस महत्वपूर्ण वैश्विक धार्मिक आयोजन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी अंतर-धार्मिक जुड़ाव, समुदायों के बीच परस्पर सम्मान और होली सी के साथ कूटनीतिक जुड़ाव के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियानः राकांपा की ओर से सुले टीम में शामिल

पुणे । शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की शीर्ष नेता एवं बारामती सांसद सुप्रिया सुले को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर भारत का कड़ा रुख और संदेश पेश करने के लिए सरकार द्वारा भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है। श्री सुले ने शनिवार को यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का आभार जताया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान सीमा पार से लगातार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। इसे बेनकाब करना और इसकी असलियत उजागर करना जरूरी है। हम सभी

तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत इसके लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार है।'' उन्होंने कहा, ÷यह सच है कि भारत ने दुनिया को बार-बार दिखाया है कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, बारामती लोकसभा क्षेत्र के लोगों के प्रतिनिधि के रूप में वैश्विक स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। यह केवल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों द्वारा दिए गए निरंतर विश्वास, अटूट प्यार और सेवा के अवसर के कारण ही संभव हो पाया है। श्रीमती सुले ने कहा, इसके लिए हम सभी उनके ऋणी हैं। उन्होंने कहा, हम सभी देशवासियों की ओर से आतंकवाद के खिलफ भारत के रुख को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कांग्रेस ने बहुदलीय प्रतिनिधि मंडल के लिए चार सांसदों के नाम सरकार को भेजे

नई दिल्ली । कांग्रेस ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने के लिए अपने चार सांसदों के नाम सरकार को भेज दिए हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए बताया की पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा से दो-दो सदस्यों के नाम इस प्रतिनिधिमंडल मैं शामिल होने के लिए भेजें हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिन सांसदों के नाम प्रतिनिधिमंडल के लिए भेजे हैं उनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, राज्यसभा सांसद डॉ.

सैयद नसीर हुसैन तथा राजा बरार शामिल हैं।उन्होंने बताया कि कल सुबह संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बात कर कांग्रेस से पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत के रुख को स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए पार्टी के चार सांसदों के नाम देने का आग्रह किया था। पार्टी ने कल दोपहर तक कांग्रेस की ओर से सरकार को नाम भेज दिए थे।गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों की राजधानियों में भेजे जाने है।

एसआइए ने कश्मीर में संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर कई स्थानों पर छापेमारी की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआइए) ने संदिग्ध आतंकी गतिविधियों पर चल रही कार्रवाई के तहत कई स्थानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, मध्य और उत्तरी कश्मीर के जिलों में चल रही छापेमारी क्षेत्र में संदिग्ध आतंकी गतिविधियों पर चल रही कार्रवाई का हिस्सा है। यह घटनाक्रम एसआइए द्वारा 11 मई को दक्षिण कश्मीर में लगभग 20 स्थानों, विशेष रूप से पुलवामा, शोपियां, कुलगाम और अनंतनाग जिलों में किए गए हाल ही में किए गए छापों के बाद हुआ है। पहले की ये छापेमारी आतंकी साजिश मामले की एक उच्च-दांव जांच का हिस्सा थी, जिसमें कथित स्लीपर सेल पाकिस्तान में हैंडलर के संपर्क में पाए गए थे। आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के बारे में संवेदनशील जानकारी साझा करने में शामिल थे।

आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भारत के कड़े रुख का संदेश देंगे सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। विभिन्न दलों के सांसदों के नेतृत्व में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया को आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने का भारत का भारत का कड़ा संदेश देने के लिए विभिन्न देशों में जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजु ने यह जानकारी दी।इन सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व शशि थरूर, कांग्रेस, रविशंकर प्रसाद, भाजपा, संजय कुमार झा, जदयू, बैजयंत पांडा, भाजपा, कनिमोझी करुणानिधि, डीएमके, सुप्रिया सुले, एनसीपी और श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शिव सेना करेंगे। श्री रिजीजू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई के संदर्भ में, सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों सहित प्रमुख साझेदार

देशों का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में, भारत एकजुट है। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे, जो आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के हमारे साझा संदेश को लेकर जाएंगे। राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का यह एक शक्तिशाली प्रतिबिंब है। विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की राष्ट्रीय सहमति और दृढ़ दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेगा। वे आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता के देश के मजबूत संदेश को दुनिया के सामने रखेंगे।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया

धनखड़ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बेहतरीन निवेश करने वाला देश है और युवाओं को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण की भावना विकसित करनी चाहिए।

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

धनखड़ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बेहतरीन निवेश करने वाला देश है और युवाओं को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण की भावना विकसित करनी चाहिए। राष्ट्र पहले की भावना होनी चाहिए और हर निर्णय में राष्ट्र हित को प्राथमिकता

देनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए कहा कि हमें उन देशों पर निर्भरता कम करनी चाहिए जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर धनखड़ ने भारतीय सेना की बहादुरी की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सफलतापूर्वक कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि एक नया मानक स्थापित हो गया है, भारतीय सेना ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद और पाकिस्तान के अंदर मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों को निशाना बनाया। अब कोई सबूत नहीं मांग रहा है। दुनिया ने देखा और माना है। हमारे पास इस बात की गाथा है कि वह देश किस तरह आतंकवाद में डूबा हुआ है।

उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का आह्वान किया। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के चार परिसरों (लखनऊ, नोएडा, जयपुर और इंदौर) ने पहली बार एक भव्य दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर जयपुरिया समूह के अध्यक्ष शरद जयपुरिया और उपाध्यक्ष श्रीवत्स जयपुरिया ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एनआईए ने आईएसआईएस के प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार किया

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो फरार आरोपियों अब्दुल फैयाज शेख और तल्हा लियाकत खान को गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल के प्रमुख सदस्यों के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी महाराष्ट्र के पुणे में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के निर्माण और परीक्षण से जुड़े 2023 के एक मामले से जुड़े हैं।

उन्हें घोषित अपराधी घोषित किया गया था और केंद्रीय एजेंसी ने पहले उनकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 3 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की थी। खुफिया जानकारी के आधार पर आव्रजन ब्यूरो ने आरोपियों को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टर्मिनल 2) पर रोका, जब वे इंडोनेशिया के जकार्ता से आए थे, जहां वे छिपे हुए थे। उन्हें तुरंत एनआईए की टीम ने हिरासत में ले लिया। उन्हें जल्द ही एक विशेष एनआईए अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है। जांचकर्ताओं के अनुसार 2022 में पुणे से संचालित आईएसआईएस मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद दोनों ने सावधानीपूर्वक भागने की योजना बनाई थी। उस कार्रवाई में कई गिरफ्तारियाँ हुईं, जिनमें शामील नाचन भी शामिल है, जो दोषी आतंकवादी साकिब नाचन का बेटा है, जिसे अमीर-ए-हिंद (भारत में आईएसआईएस का प्रमुख) नामित किया गया था।

मणिपुर में म्यांमार संगठन सहित आठ उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में विभिन्न अभियानों में आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया, इनमें से एक मोरेह (भारत) और म्यांमार स्थित चिन कुकी राष्ट्रीय रक्षा बल (सीकेएनडीएफ) का कैडर शामिल है। इसकी पहचान चुराचांदपुर जिले के टोंगलाल वेंग के थोंगखोहेउ तोथांग के रूप में हुई, जो चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर-पीएस के अंतर्गत तुइबोंग से है। वह सीकेएनडीएफ समूह के लिए सशस्त्र विद्रोह और सीमा पार हथियार और कैडर आंदोलन के लिए युवाओं की भर्ती में शामिल है। वह सीकेएनडीएफ के नाम पर जनता से जबरन वसूली करने में भी शामिल है। इसके अलावा, पुलिस ने इम्फाल पूर्वी जिले के लमलाई-थाने क्षेत्र से दो उग्रवादियों और पोरोमपाट-थाने क्षेत्र से एक और उग्रवादी को गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस ने

विभिन्न इलाकों से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां सिंगजामेई, थौबल, बिष्णुपुर और इम्फाल पश्चिमी जिलों से हुईं। इसके अलावा, कक्कचिंग तथा इम्फाल पूर्व में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए।

लालू यादव के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया इश्तेहार, पैतृक गांव फुलवरिया में होगा चश्पा

एजेंसी

पटना। सिवान के एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के खिलाफ एक इश्तेहार जारी किया है। इस इश्तेहार के जरिये कोर्ट ने उन्हें ससमय पेश होने का आदेश दिया है। लालू प्रसाद आचार संहिता उल्लंघन के एक पुराने मामले में पिछले कई सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए थे। इस कारण कोर्ट ने उनके खिलाफ यह इश्तेहार जारी किया है।

दरअसल, कोर्ट में उपस्थिति को लेकर जमानतीय और गैर-जमानतीय वारंट जारी होने के बाद भी यदि आरोपी उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध इश्तेहार जारी किया जाता है। एक पुराने मामले में न्यायालय ने उन्हें स-समय कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। लालू यादव से जुड़ा यह मामला 2011 का है। सिवान जिले में दरौंदा थाना के

विधानसभा क्षेत्र में 2011 में उपचुनाव हुआ था, जिसमें राजद उम्मीदवार परमेश्वर राय, लालू यादव के पार्टी से चुनाव लड़ रहे थे। इसी बीच चुनाव प्रचार-प्रसार के दौरान उनपर अचार संहिता 144-188 धारा लगा था। इसके अंतर्गत आचार संहिता उल्लंघन ध्वनि निस्तारण यंत्र अधिनियम 9 के तहत लाउडस्पीकर एक्ट को लेकर तत्कालीन अंचलाधिकारी (सीओ) के द्वारा, जो कि उस समय उड़नदस्ता प्रभारी थे, उनके द्वारा थाना में केस दर्ज करवाया गया था। एमपी ,एमएलए कोर्ट में यह केस 14 साल चलने के बाद आज एक एसीजीएम एमपी एमएलए कोर्ट के द्वारा लालू यादव के खिलाफ इश्तेहार जारी किया गया है। इश्तेहार में लालू प्रसाद यादव के गांव फुलवरिया का पता है, जहां इश्तेहार को चिपकाया जाएगा। एडवोकेट मदन सिंह ने बताया कि यह बेलेबल सेक्शन है। आचार संहिता उल्लंघन मामले में इन पर केस दर्ज हुआ था। मदन सिंह ने कहा कि दरौंदा के पांडेपुर गांव में यह जनसभा हुई थी, जिसको लेकर आचार संहिता का उल्लंघन का मामला आया था और तत्कालीन सीओ के द्वारा उन पर केस दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि परमेश्वर राय, लालू यादव की पार्टी राजद से उम्मीदवार थे, उनकी मृत्यु हो गई है। सिर्फ लालू यादव ही इस केस में जीवित हैं, जिन पर न्यायालय के द्वारा इश्तेहार जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे में बदलाव, अब 29 मई को ही पहुंचेंगे पटना

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। बदले हुए कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री अब दो दिवसीय बिहार दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी आगामी 29 मई को ही पटना पहुंच जाएंगे। 29 को वो पटना में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे, जबकि 30 मई को विक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। पहले उनका कार्यक्रम एक दिन का तय था, लेकिन अब इसे विस्तारित कर दो दिन का कर दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप

जायसवाल ने शनिवार को बताया कि पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर बिहार आने वाले थे, लेकिन अब उनके कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। पीएम मोदी अब दो दिवसीय दौरे पर बिहार आ रहे हैं। पहले केवल बिक्रमगंज में एकदिवसीय कार्यक्रम तय था, लेकिन अब पीएम दो दिन के प्रवास पर बिहार आ रहे हैं।

पटना एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटनः प्रधानमंत्री 29 मई की शाम पटना पहुंचेंगे। यहां वे जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन लगभग 1,216 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है और राज्य के हवाई यातायात को नई गति देगा। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री रात में पटना में ही विश्राम करेंगे। 30 मई को प्रधानमंत्री रोहतास के बिक्रमगंज में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। यह रैली चुनावी दृष्टिकोण से बेहद अहम मानी जा रही है।

केदारनाथ में तकनीकी खामी से हेली एंबुलेंस की आपातकाल लैंडिंग

एजेंसी

केदारनाथ । ऋषिकेश एम्स से केदारनाथ हेलीपैड की ओर आ रही संजीवनी हेली एंबुलेंस की शनिवार को आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। हेलीकॉप्टर में दो डॉक्टर भी सवार थे। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा, हेलीकॉप्टर सवार बिलकुल सुरक्षित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों सुरक्षित हैं। आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर के पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि केदारनाथ धाम में एक मरीज को रेस्क्यू कराने पहुंची संजीवनी हेली एंबुलेंस की आपातकालीन लैंडिंग हुई। पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम का तीसरा दिनः छात्रों का उत्साह चरम पर

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम का आज तीसरा दिन छात्रों के लिए नई सीख और अनुभवों से भरपूर रहा। इस दो महीने की ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के दौरान चयनित छात्र विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक विभागों में 20 घंटे प्रति सप्ताह कार्य करेंगे। इंटर्नशिप में भाग ले रही नेहा ने कहा कि यह इंटर्नशिप हमारे लिए एक अनूठा अवसर है। जिससे हम विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझ पा रहे हैं और प्रशासनिक कार्यों में भागीदारी कर रहे हैं। एक अन्य छात्र यश ने बताया कि इस इंटर्नशिप के माध्यम से हमें नेतृत्व कौशल, टीमवर्क और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का अवसर मिल रहा है। यह हमारे करियर के लिए बेहद लाभकारी है। यह दो महीने का इंटर्नशिप कार्यक्रम जून और जुलाई के दौरान आयोजित किया जा रहा है। जिसमें चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक विभागों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। इस इंटर्नशिप के लिए छात्रों को प्रति माह ?11,025 का स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। यह इंटर्नशिप छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। जिससे वे अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकते हैं।

ठगी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिला की साइबर थाना पुलिस ने मनी ट्रांसफर एजेंट से ठगी करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित सूरज शर्मा ने ठगी के पैसे से आई-फोन खरीदा था। पुलिस ने आरोपित के पास से आई-फोन बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपित को जेल भेज दिया है। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि साइबर थाना पुलिस को ठगी की शिकायत मिली। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह छतरपुर इलाके में मनी ट्रांसफर सेवा संचालित करता है। 27 मई को उसके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि उसका भाई आपकी दुकान पर पैसे ट्रांसफर करवाने के लिए आने वाला है। फोन कटते ही एक शख्स उसकी दुकान पर आया और भुगतान के लिए एक क्यूआर कोड दिखाया। फोन पर बात करने वाले ने पीड़ित से 70 हजार रुपये हस्तांतरित करवा लिए। कॉलर ने बताया कि वह नगदी वापस करेगा। जब मनी ट्रांसफर एजेंट ने कैश मांगा तो पैसे ट्रांसफर करवाने वाले शख्स ने बताया कि वह तो रैपिडो चालक है और उसे सिर्फ क्यूआर कोड देकर भेजा गया था। एजेंट को ठगी का एहसास होने पर उसने पुलिस को मामले की शिकायत की। पुलिस ने रैपिडो बाइक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की और सबूत जमा किए। साथ ही बैंक खाते का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया। तकनीकी विवरण की मदद से संदिग्ध को ट्रैक किया तो पता चला कि ठगी गई राशि का इस्तेमाल बुराड़ी में एक मोबाइल की दुकान से आईफोन खरीदने के लिए किया गया था।

सरोजनी नगर में दस दिवसीय विकसित भारत ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने सरोजनी नगर स्थित नवयुग स्कूल में आयोजित 10 दिवसीय विकसित भारत ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का उद्घाटन किया। यह कार्यशाला 16 से 25 मई तक, पंचतंत्र की कहानियों के विषय पर आधारित हैं और कक्षा 5वीं से 11वीं तक के छात्रों के लिए आयोजित की गई है। उद्घाटन के बाद चहल ने कहा कि हमने एनडीएमसी के स्कूली छात्रों को देश के विभिन्न राज्यों की कलाओं से अवगत कराने के लिए देश के कोने-कोने से प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया है, ताकि हमारे छात्र देश के विभिन्न क्षेत्रों की कलाओं का अनुभव कर सकें और उसे अपने ज्ञान में शामिल कर सकें। कुलजीत सिंह चहल ने आगे कहा कि कला एक ऐसी विधा है जिसकी अपनी सार्वभौमिक भाषा होती है। जिसे हर कोई कहीं भी समझ सकता है। दुनिया की अनेक भाषाएं और उनके अनुभव कला के माध्यम से ही पूरे विश्व में एक समान रूप से समझे जाते हैं। यही कला की सर्वोच्च शक्ति है। चहल ने कहा कि आज का भारत न केवल विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है, बल्कि एक वीर भारत भी बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसी वीर भारत का प्रमाण है।

निजामुद्दीन में चाकू से गला रेतकर युवक की हत्या, पांच को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मोहम्मद साद (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में शामिल नाबालिग समेत पांच आरोपितों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अलतमश, फैजान, दिलशाद और अबरार उर्फ साबू व एक नाबालिग के रूप में हुई है। मुख्य आरोपित इसमें अलतमश मृतक के दोस्त की प्रेमिका का भाई है। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि निजामुद्दीन में नाले की तरफ एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता लगा गला रेतकर वारदात को अंजाम दिया गया है। जांच में मृतक की पहचान निजामुद्दीन बस्ती निवासी मोहम्मद साद के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि उसके खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक : अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचनाओं और हमारी तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अनूठा प्रतीक है। भारत को अपनी तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और सभी सुरक्षा एजेंसियों पर गर्व है। केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगट्टालु हिल्स (केजीएच) में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक नक्सल विरोधी अभियानों के बारे में कहा कि नक्सलियों के खिलाफ ये ऐतिहासिक अभियान हमारे सुरक्षा बलों के बीच बेहतरीन समन्वय को

प्रदर्शित करते हैं। इसी तरह का समन्वय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला, जिससे पता चलता है कि हमारी खुफिया एजेंसियों तथा तीनों सशस्त्र बलों द्वारा कार्य को अंजाम देने की प्रक्रिया और सोच में काफी बेहतर समन्वय है। अमित शाह ने कहा कि नया एमएसी आज के परिवेश में सामने आ रही जटिल और परस्पर जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सभी एजेंसियों के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए एक सहज और एकीकृत मंच प्रदान करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नया नेटवर्क आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने के लिए देश के प्रयासों को मजबूत करेगा। उन्होंने नए एमएसी नेटवर्क की सराहना की और रिकॉर्ड समय में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से संबंधित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर संतोष व्यक्त किया। इसमें एम्बेडेड एआई/एमएल तकनीक जैसी भविष्य की क्षमताओं को शामिल किया गया है ताकि एमएसी और जीआईएस सेवाओं के साथ विशाल डेटाबेस की क्षमता का दोहन किया जा सके। उन्होंने नए एमएसी के साथ उपलब्ध उन्नत डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाने के लिए विभिन्न साइलो में विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के पास मौजूद अन्य महत्वपूर्ण डेटाबेस को इस प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए भविष्य की रूपरेखा भी रखी।

एनआईए ने पंजाब में बबर खालसा आतंकी समूह से जुड़े 15 स्थानों पर की छापेमारी

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब के गुरदासपुर जिले में दिसंबर में हुए पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले के संबंध में बबर खालसा आतंकी समूह से जुड़े 15 स्थानों पर छापेमारी की। ये छापेमारी गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला में की गई। इस दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल और दस्तावेज़ जब्त किए गए।इन छापेमारी का लक्ष्य अमेरिका में स्थित बबर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) ऑपरेटर और गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियन से जुड़े संदिग्धों को पकड़ना था। हैप्पी के सहयोगियों में शमशेर सिंह शेरा उर्फ हनी भी शामिल है। पाकिस्तान में स्थित बीकेआई आतंकवादी हारविंदर सिंह उर्फ रिंदा को हाल ही में कई ग्रेनेड हमलों का मुख्य आरोपित माना गया है। गुरदासपुर जिले के पुलिस स्टेशन घनी के बंगर पर हाथ से ग्रेनेड हमले के मामले में एनआईए की जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपितों ने हैप्पी के निर्देश पर कार्य किया। बीकेआई के ऑपरेटिव विभिन्न देशों में सक्रिय हैं और भारत

में सहयोगियों को भर्ती करने, धन, हथियार और विस्फोटक प्रदान करने की साजिश में लिप्त हैं। एनआईए इस मामले में आगे की जांच जारी रखे हुए है। यह मामला मंत्रालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

एनसीआर में मौसम का बदला मिजाज, धूप-बारिश और आंधी से लोग परेशान

एजेंसी
नई दिल्ली। एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। एक तरफ दिन के समय तेज धूप और भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं, तो वहीं सुबह और शाम के वक्त मौसम थोड़ा सुहावना हो रहा है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 मई और 18 मई को क्षेत्र में गरज के साथ बारिश और आंधी आने की संभावना है। साथ ही धूल भरी हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान सतही हवाएं भी तेज रहेंगी। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। इन दिनों में आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने का भी अलर्ट जारी किया गया है। 19 और 20 मई को भी तेज सतही हवाएं दिन के समय सक्रिय रहेंगी। हालांकि, 21 और 22

मई को मौसम कुछ हद तक सामान्य रहने की संभावना जताई गई है। इन दिनों आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा और कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। तापमान इस दौरान भी 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जिससे गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम ही है। मौसम में लगातार हो रहे इन बदलावों ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। एक तरफ जहां सुबह और शाम को हल्की ठंडक महसूस हो रही है, वहीं दोपहर के समय चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। बारिश और आंधी के बावजूद तापमान में गिरावट नहीं देखी जा रही, बल्कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव जलवायु परिवर्तन का एक संकेत हो सकता है। साथ ही, इस प्रकार का मौसम न केवल आम जनमानस को प्रभावित कर रहा है, बल्कि किसानों और दिहाड़ी मजदूरों के लिए भी कठिनाइयां खड़ी कर रहा है। मौसम विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है, खासकर उन लोगों को जो खुले में कार्य करते हैं या यात्रा कर रहे हैं।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण : नलिन कोहली

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं द्वारा उठाए गए सवालों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि हमारे देश में कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता ऐसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। नलिन कोहली ने समाचार एजेंसी कहा, ‘हमने पहले भी देखा है, जब सेना या वायुसेना ने बालाकोट में कार्रवाई की थी, जब सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी, तब भी इन दलों ने सवाल उठाए थे। आज पाकिस्तान भी भारत के सैन्य अभियानों पर सवाल करता है और दुर्भाग्य की बात है कि हमारे ही देश के नेता ऐसे मामलों पर वही रवैया अपनाते हैं।’

उन्होंने कहा कि सेना जो कह रही है, उस पर भरोसा न करके ऐसे प्रश्न उठाना अपमानजनक है। साथ ही उन्होंने चेताया कि इस तरह के बयानबाजी और संदेह विदेशों में, खासकर पाकिस्तान में, भारत विरोधी दुष्प्रचार का हिस्सा बन सकते हैं। ‘ऐसे नेताओं और पार्टियों को यह भी सोचना चाहिए कि उनके इन बयानों का किस तरह दुरुपयोग हो सकता है। वायुसेना की अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर समाजवादी पार्टी नेता रामगोपाल यादव की टिप्पणी की आलोचना करते हुए नलिन कोहली ने कहा कि इस तरह की भाषा और जातिगत संदर्भों का प्रयोग बेहद आपत्तिजनक है। हमारे सैनिक किसी भी जाति, धर्म या वर्ग से ऊपर उठकर देश की सेवा करते हैं। पिछले कुछ दिनों में कई निंदनीय बयान

सामने आए हैं जो न सिर्फ अनुचित हैं, बल्कि हमारी सेना के मनोबल को भी प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवान और अधिकारी खुद को एक भारतीय के रूप में देखते हैं और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाते हैं। ऐसे में राजनीतिक लाभ के लिए उनकी पहचान को जाति या अन्य सामाजिक आधारों से जोड़ना पूरी तरह अनुचित है। इस तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए और सेना को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

स्मृति ईरानी ने तुर्किये और अजरबैजान के व्यापार बहिष्कार को दिया समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की स्ट्रैटेजिक एडवाइजर स्मृति ईरानी ने तुर्किये और अजरबैजान के साथ सभी व्यापारिक संबंध को समाप्त करने के देशभर के व्यापारिक नेताओं के निर्णय का पूर्ण समर्थन किया है। उन्होंने इस निर्णय को भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम के प्रति सम्मान की भावना से प्रेरित बताया और देशभक्ति से ओत-प्रोत बताया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से एक होटल में राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद होने के नाते मिलने वाली पेंशन आज तक नहीं ली है। अब मैं यह पूरी पेंशन नेशनल डिफेंस फंड को समर्पित कर रही हूं। स्मृति ईरानी ने कहा कि छोटे व्यापारी न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनने

और मेक-इन-इंडिया के सपने को पूरा करने में भी मदद कर रहे हैं। स्मृति ईरानी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कोई सरकारी आदेश नहीं, बल्कि उन माताओं, बहनों और पत्नियों के नाम एक भावनात्मक अपील है, जिनके अपनों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। ईरानी ने मंच से व्यापारियों की राष्ट्रसेवा भावना को नमन करते हुए कैट से आग्रह किया कि वह नेशनल डिफेंस फंड (राष्ट्रीय रक्षा कोष) में व्यापारियों से स्वेच्छा से योगदान देने के लिए एक अभियान चलाए, जिससे शहीद सैनिकों के परिवारों की सहायता में व्यापार समुदाय भी सक्रिय भूमिका निभा सके। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने ईरानी के इस सुझाव को स्वीकार करते हुए घोषणा की कि संगठन देशभर में व्यापारियों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर नेशनल डिफेंस फंड में प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 24 से अधिक राज्यों के व्यापारियों और व्यापार जगत के नेताओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार किया जाएगा।

पी. चिदंबरम ने कांग्रेस को आईना दिखाया है, इनके पास न नीति न नेता : शहजाद पूनावाला

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने इंडिया अलायंस को बिखरता हुआ बताया है। उनके इस बयान का भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने समर्थन किया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी. चिदंबरम के इंडिया अलायंस के बिखरने वाले बयान को कांग्रेस के लिए आईना बताया है। बात करते हुए पूनावाला ने कहा, वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने कांग्रेस को सच का सामना करवाया है। इंडिया अलायंस किसी मिशन पर नहीं बना। केवल अपने-अपने भ्रष्टाचार, अपने कमीशन, अपनी महत्वाकांक्षा के लिए ये लोग मोदी के खिलाफ एकजुट हुए हैं। इनके पास न नीति है न नेता। पूनावाला ने आगे कहा, अलायंस की सारी पार्टियां राहुल गांधी को अपने नेता के रूप में अस्वीकार कर चुकी हैं। केरल में कांग्रेस और वामपंथी पार्टी अलग-अलग हैं, दिल्ली में साथ हैं, बंगाल

में तृणमूल और कांग्रेस अलग-अलग हैं, दिल्ली में साथ हैं, पंजाब में आप और कांग्रेस अलग हैं और दिल्ली में साथ हैं। कुश्ती और दोस्ती वाला मॉडल नहीं चलता। जनता ऐसे अलायंस को कई बार ध्वस्त कर चुकी है। इसलिए चिदंबरम ने इस बात को स्वीकारा है कि इंडिया अलायंस में फूट है और भाजपा के सामने ये टिक नहीं सकती।

राष्ट्रपति ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को प्रदान किया ज्ञानपीठ पुरस्कार

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में जगद्गुरु रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने श्रेष्ठता के प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में जगद्गुरु रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी और कहा कि आप अनेक प्रतिभाओं से सम्पन्न हैं तथा आपके योगदान बहुआयामी हैं। आपने शारीरिक दृष्टि से बाधित होने के बावजूद अपनी अंतर्दृष्टि बल्कि दिव्यदृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय साहित्य की सभी भाषाओं में भारतीय मिट्टी की सुगंध स्पष्ट रूप से मौजूद है। यह ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय साहित्य की इसी महत्ता को दर्शाता है। भारतीय ज्ञानपीठ के इन दो शब्दों में भारत के लोगों के ज्ञान और परंपराओं की मूल एकता व्यक्त होती है। यह एकता भारत के लोगों की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और साहित्यिक एकता की अभिव्यक्ति है। वाल्मीकि, व्यास और कालिदास से

लेकर रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महान कवियों की रचनाएं एक जीवंत भारत की धड़कन को दर्शाती हैं। यह धड़कन भारतीयता का सार है और हमारी भारतीय चेतना की नींव है।राष्ट्रपति ने ज्ञानपीठ पुरस्कार के चयनकर्ताओं और प्रशासकों की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञानपीठ पुरस्कार के चयनकर्ताओं ने भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ लेखकों का चयन करके इस पुरस्कार की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। मैं सभी पूर्व और वर्तमान चयनकर्ताओं, चयन समिति के अध्यक्षों और भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट के प्रशासकों की सराहना करती हूं। साहित्य समाज को जोड़ता भी और जगाता भी है। 19वीं सदी के सामाजिक जागरण से लेकर बीसवीं सदी में हमारे स्वाधीनता संग्राम से जन-जन को जोड़ने में कवियों और रचनाकारों ने महानायकों की भूमिका निभाई है। वर्ष 1965 से विभिन्न भारतीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करके, ‘भारतीय ज्ञानपीठ’ ने, साहित्य-सेवा के माध्यम से देश की सेवा की है। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित महिला रचनाकारों में आशापूर्णा देवी, अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, कुर्रतुल-ऐन-हैदर, महाश्वेता देवी, इंदिरा गोस्वामी और कृष्णा सोबती जैसी असाधारण महिलाएं शामिल हैं।

मतदाता रजिस्ट्रेशन प्रणाली में धोखाधड़ी, सहायक सिस्टम मैनेजर निलंबित

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना ज़िले के काकद्वीप सब-डिविजन में मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ी सामने आई है। सहायक सिस्टम मैनेजर अरुण गोरेन को इस मामले में निलंबित कर दिया गया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार अरुण गोरेन ने एईआरओ के लॉगिन का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने एईआरओ 131-काकद्वीप एसी के लॉगिन में अपना मोबाइल नंबर जोड़कर ओटीपी के माध्यम से लॉगिन किया और 6, 7 और 8 नंबर के फॉर्म संसाधित किए। यह कार्य उन्होंने बिना अधिकृत अनुमति के किया। ज़िला निर्वाचन अधिकारी और एसडीओ द्वारा पूछताछ में अरुण गोरेन ने गलती स्वीकार की और भविष्य में पुनरावृत्ति रोकने का आश्वासन भी दिया, लेकिन चुनाव आयोग ने इसे गंभीर अनियमितता माना है। चुनाव आयोग ने इस कृत्य को धोखाधड़ी, अनुशासनहीनता और निर्वाचन प्रक्रिया में गंभीर उल्लंघन करार दिया है। यह आचरण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके तहत उनके विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई संभव है। अब अरुण गोरेन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही

उनके खिलाफ विभागीय जांच और दंडात्मक कार्यवाही शुरू की जा रही है। निलंबन की अवधि में उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता मिलेगा। चुनाव आयोग की यह त्वरित कार्रवाई यह दर्शाती है कि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पिछले 15 साल से विकास की राह देख रही आजादपुर मंडी, अब सफाई और सुरक्षा पर होगा पुख्ता काम : रेखा गुप्ता

एजेंसी
दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आजाद पुर मंडी पहुंची थी। मुख्यमंत्री मंडी में सफाई, सुरक्षा की स्थिति से काफी निराश दिखीं और इसके लिए पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार को दोषी ठहराया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने मंत्रियों और अधिकारियों के साथ आजादपुर मंडी पहुंची थीं। मंडी की व्यवस्था देख वे दिल्ली की पूर्व की आम आदमी सरकार पर आक्रामक दिखीं और अपनी सरकार द्वारा विकास का आश्वासन दिया।

बात करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा, इस क्षेत्र के दौरे पर अपने मंत्रियों और अधिकारियों के साथ आई हूं। आजादपुर मंडी दिल्ली की सबसे महत्वपूर्ण मंडी है लेकिन यहां की जो व्यवस्था है और पिछली सरकार ने जो स्थिति बनाई है, वह काफी निराशाजनक है। पिछले 15 साल में यहां विकास का कोई कार्य नहीं हुआ है।रेखा गुप्ता ने आगे कहा, सफाई और सुरक्षा की यहां कोई सुविधा नहीं है। सैकड़ों व्यापारी यहां काम करते हैं। सैकड़ों ट्रकों के माध्यम से लोगों का खाद्य पदार्थ यहां आता है। आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार ने इस क्षेत्र में कोई भी काम नहीं किया

है और इस क्षेत्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर रखा है। उनके मंत्री और चेयरमैन किसी ने भी इस क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया। जो लोग दिल्ली को लंदन और पेरिस बना रहे थे, उन्हें बताना चाहती हूं कि यहां इतनी गंदगी है कि खड़ा नहीं हुआ जा सकता। पिछली सरकार ने सिर्फ आजादपुर मंडी ही नहीं बल्कि दिल्ली की तमाम मंडियों को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर रखा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, ÷हमारी सरकार मंडियों के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम योजना तैयार कर रहे हैं। मंडियों में सफाई और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। भ्रष्टाचार को समाप्त किया जाएगा। हमारे मंत्री खुद इस काम को देख रहे हैं।÷ आजादपुर मंडी के फल व्यापारियों ने तुर्किये से सेब के आयात को समाप्त कर दिया है। यह फैसला भारत-पाकिस्तान संघर्ष में तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का साथ देने की वजह से लिया गया है। रेखा गुप्ता ने कहा, मैं यहां के व्यापारियों को तुर्किये द्वारा सेब का आयात बंद किए जाने के फैसले के लिए साधुवाद देना चाहती हूं। यह फैसला दिखाता है कि देश एकजुट है। भारत के खिलाफ जो भी देश जाएगा, उसका बहिष्कार किया जाएगा। आतंकवादियों और उनके आकाओं से कोई व्यापार नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी देशों का बहिष्कार होना चाहिए जो भारत के खिलाफ हैं। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया विश्वविद्यालय ने भी तुर्किये के साथ किए गए शैक्षणिक समझौते रद्द कर दिए हैं।

अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी पकड़े

एजेंसी
नई दिल्ली । अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें उनके देश वापस भेजने के लिये दिल्ली पुलिस लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के औचंदी गांव से 13 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। ये सभी बिना किसी वैध दस्तावेज़ के भारत में रह रहे थे। इनके पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद किए गए हैं। इनमें पांच नाबालिग बच्चे शामिल है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्या गौतम ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक औचंदी गांव, दिल्ली में किराए पर घर की तलाश कर रहे हैं। सूचना को पुख्ता करपुलिस टीम ने जाल बिछाया और इन सभी को पकड़ा। पूछताछ में सभी ने कबूल किया कि वे बांग्लादेश के जिला खुदीग्राम के गांव खुशावली से हैं और उनके पास भारत में रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान मो. रफीकुल (50), खोतेजा बेगम (41), पत्नी रफीकुल, मो. अनवर हुसैन (37),मो. अमिनुल इस्लाम (28), जोरीना बेगम (27), पत्नी अनवर हुसैन, अफरोजा खातून (25) पत्नी अमिनुल इस्लाम, मो. खाखोन (20), हसना (19 वर्ष) के साथ ही 5 नाबालिग बच्चे के रूप में हुई है।कैसे पहुंचे भारत पूछताछ में पकड़े गए आरोपितों बताया कि वे करीब दो साल पहले बांग्लादेश से एक व्यक्ति जलील अहमद की मदद से भारत आए थे। उन्होंने अपने गांव से बस पकड़ कर भारत-बांग्लादेश सीमा तक की यात्रा की। वहां वे बिना बाड़ वाले खेतों के रास्ते से भारत में घुसे और फिर एक ऑटो से कूच बिहार रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां से ट्रेन द्वारा दिल्ली और फिर हरियाणा के खरखौदा पहुंचे। जहां वे गांव सिसाना के एक ईंट भट्टे में मजदूरी करने लगे।

संपादक की कलम से

बांग्लादेश में अवामी लीग पर प्रतिबंध के व्यापक परिणाम होंगे

पिछले सप्ताह डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने से देश में सक्रिय राजनीतिक दलों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अगले साल की शुरूआत में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं। इसी तरह, यह निर्णय भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब उसके पड़ोसी देश में कोई भी मित्र राजनीतिक दल सक्रिय नहीं है। यूनुस सरकार की इस कार्रवाई के व्यापक प्रभाव पर भारतीय मीडिया का अभी ध्यान नहीं गया है, क्योंकि पिछले सप्ताह भारत-पाकिस्तान संघर्ष में इसकी पूरी तरह से संलिप्तता रही है, लेकिन दक्षिण एशियाई मामलों के भारतीय विशेषज्ञ इस बात पर गौर कर रहे हैं कि इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली राष्ट्र होने के बावजूद नरेंद्र मोदी सरकार अब दक्षिण एशियाई देशों में पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गयी है।

अवामी लीग(एएल)शेख मुजीबुर रहमान द्वारा स्थापित राजनीतिक पार्टी है और इस पार्टी ने 1971 में बांग्लादेश के गठन के लिए मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। एएल ने 2024 तक बांग्लादेश पर अधिकांश वर्षों तक शासन किया, सिवा सेना शासन के वर्षों और खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपीके दो कार्यकालों को छोड़कर। वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल बीएनपी है जिसकी अध्यक्ष हैं खालिद जिया। शेख हसीना ने 2009 से लगातार पंद्रह वर्षों तक शासन किया, लेकिन 5 अगस्त, 2024 को उन्हें अवामी लीग सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में अपना पद छोड़ना पड़ा और वे भारत चली आयीं। वे अभी भी भारत में रह रही हैं और कभी-कभी वीडियो के माध्यम से बांग्लादेश में अपने एएल समर्थकों को संबोधित करती हैं।

पिछले सप्ताह ढाका में छात्रों की नयी पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने 72 घंटे की विशाल रैली निकाली, जिसमें सरकार से अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी। एनसीपी एकमात्र पार्टी है, जिसने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने को अपना मुख्य कार्यक्रम बनाया है। पहले चर्चा थी कि अवामी लीग को सीमित रूप में काम करने दिया जायेगा,जिसमें उन नेताओं और कार्यकताओं को शामिल नहीं किया जायेगा, जिन पर हत्या और यातना देने के आरोप हैं। बीएनपी पहले कुछ दिशा-निर्देशों के तहत एएल को चुनाव में भाग लेने देने के पक्ष में थी, लेकिन अब सरकार के आधिकारिक प्रतिबंध के बाद बीएनपी ने भी प्रतिबंध को राष्ट्रीय मांग बताते हुए उसे अपने समर्थन की घोषणा की है।

परिणामस्वरूप, आने वाले चुनावों में मुकाबला दो मुख्य पार्टियों - बीएनपी, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कर रही हैं और एनसीपी जिसका नेतृत्व छात्रों द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में आरक्षण विरोधी आंदोलन के जरिये शेख हसीना सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभायी थी- के बीच होगा। अन्य पार्टियां, जो बहुत छोटी हैं,वे किसी न किसी समूह के साथ गठबंधन करने की कोशिश करेंगी। हाल के महीनों में जमात-ए-इस्लामी ने विदेशों में इस्लामी देशों से बड़ी वित्तीय सहायता के कारण ताकत हासिल की है, लेकिन नागरिकों के बीच इस पार्टी की स्वीकार्यता बहुत कम है। मुख्य चुनावी लड़ाई बीएनपी और एनसीपी तक ही सीमित रहेगी।

अवामी लीग का भविष्य क्या है? अवामी लीग के पास देश में अभी भी समर्पित कार्यकताओं का एक समूह है, हालांकि उनमें से कई खुले तौर पर काम नहीं कर सकते। अवामी लीग निश्चित रूप से प्रतिबंध को अदालत में चुनौती देगी। लेकिन सरकार ने आदेश में कुछ विशेष प्रावधान जोड़े हैं, जिससे अगर अवामी लीग कानूनी लड़ाई लड़ना चाहती है तो उसके लिए मुश्किल हो जायेगी। अवामी लीग की नेता शेख हसीना हाल के हफ्तों में सक्रिय नहीं रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष से निपटने में अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। इसलिए भारतीय विदेश मंत्रालय शेख हसीना को अभी भारतीय धरती से कोई सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहेगा। बांग्लादेश के राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच सरकार द्वारा अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने और क्या इससे अवामी लीग एक राजनीतिक पार्टी के रूप में खत्म हो जाएगी, इस बारे में अलग-अलग राय हैं। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक डेली स्टार के अनुसार, अवामी लीग केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं है - यह एक बहु-पीढ़ी संस्था है। देश भर में लाखों लोगों ने अतीत में इसका समर्थन किया है, उनमें से कई ऐसे परिवारों में जन्मे हैं जो दशकों से पार्टी का हिस्सा रहे हैं। नयी वास्तविकता में इन लोगों का क्या होगा? वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है।

इसके अलावा, प्रतिबंध एएल को ठीक वही देता है जिसकी उसे अपनी छवि को फिर से बनाने के लिए जरूरत है - उत्पीड़क से उत्पीड़ित तक। डेली में व्यक्त राय के अंश में कहा गया है कि वही पार्टी जिसने असहमति को दबाने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल किया, अब पीड़ित होने का दावा करती है। यह भी बताया गया है कि बांग्लादेश नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वचन (आईसीसीपीआर) का हस्ताक्षरकर्ता है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि राजनीतिक अधिकारों पर प्रतिबंधों को वैधता, आवश्यकता और आनुपातिकता के परीक्षणों को पूरा करना चाहिए।

एक व्यापक पार्टी प्रतिबंध - राजनीतिक प्रतिबंध का सबसे चरम रूप - केवल तभी उचित ठहराया जा सकता है जब अन्य सभी छोटे प्रतिबंधात्मक साधन स्पष्ट रूप से विफल हो गये हों। राज्य के पास अभी भी शक्तिशाली उपकरण हैं: वह विश्वसनीय रूप से अपराध के आरोपी एएल नेताओं पर मुकदमा चला सकता है, गवाहों और कार्यकताओं को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, हिंसक गुटों को भंग कर सकता है और यहां तक कि लक्षित दंड भी लगा सकता है। ये तंत्र न्याय को मजबूत करते हैं। इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें- उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं।

सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय

शरीर में पोषण की कमी होने पर क्या लक्षण दिखते हैं? कैसे करें इनको पूरा

हमारा शरीर दुनिया की सबसे बेहतरीन मशीन है. यह मशीन अपने में आई खराबी (बीमारी) को सही करने की क्षमता रखती है. इसके साथ ही शरीर खुद को बीमार होने से बचाने के प्रयास भी करता है. बीमारी की शुरूआत में ही शरीर संकेत भी देता है और अपनी क्षमता के अनुसार बीमारी से लड़ता भी है. हालांकि हम शरीर के संकेतों को पहचान नहीं पाते और लापरवाही बरतते रहते हैं. जिसके कारण शरीर गंभीर रूप से बीमार हो जाता है. शरीर में पोषण की कमी होने पर भी शरीर लक्षणों के रूप में कई संकेत देता है. जरूर होती है इन संकेतों को समझने और पोषण की कमी को दूर करने की.

इन दिनों बदली जीवनशैली के कारण लोगों की दिनचर्या और खानपान भी बदल गया है. जिसके कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है. यह समस्या अब सामान्य होती जा रही है. जिसके कारण कई तरह की गंभीर बीमारियां भी बढ़ रही है. पोषण की कमी होने पर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो जाती है. जिसके कारण हम आसानी से बीमार पड़ जाते हैं. शरीर में पोषण की कमी का पूरे शरीर पर प्रभाव पड़ता है. पूरा शरीर इसके संकेत भी देता है. जरूरत है उन संकेतों को पहचान कर इलाज करवाने की.

क्या हैं लक्षण और कारण

शरीर में पोषण की कमी के लक्षण आपके शरीर, त्वचा और बालों में नजर आ सकते हैं. इनमें सबसे सामान्य लक्षण है कमजोरी महसूस होना. पाचन संबंधी परेशानी, मूड स्विंग्स, फोकस करने में परेशानी होना. घाव का धीरे-धीरे भरना और बालों का झड़ना।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

– ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए । विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं हेट स्पीच के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मयार्दा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निदेर्शों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी भारत विरोधी शक्तियां एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। ह्वराजनीतिक सिस्टमह्ल की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा।

अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां हेट स्पीच या बिगडे. बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए हेट स्पीच एवं बिगडे. बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?

राष्ट्रभक्ति की सीमाओं से परे सौदेबाजी

बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया। पुरानी कहावत है, लेकिन जब तक राजनीति और कारोबार कायम हैं, यह बात भी सोलह आने सच ही रहेगी। भाजपा तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रवाद की नयी हुंकार भर रही है (हालांकि उसी तिरंगे से नाक पोंछने और यात्रा के बाद सड़क पर पड़े रहने के वीडियो सामने आए हैं), ऑपरेशन सिंदूर का सारा श्रेय मोदीजी के खाते में जमा किया जा रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तान का साथ देने वाले अजरबेजान और तुर्किए का भी बड़े पैमाने पर बहिष्कार हो रहा है। लेकिन उधर नरेन्द्र मोदी के करीबी उद्योगपति मुकेश अंबानी डोनाल्ड ट्रंप से कतर में मुलाकात करते हैं।

इस बीच ट्रंप का एक और भारत विरोधी बयान सामने आ गया है, जिसमें वो एप्पल के सीईओ टिम कुक का नाम लेकर कह रहे हैं कि मैंने टिम से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करें। उन्होंने कहा कि भारत को अपने हितों का ध्यान खुद रखने दें।

भारत का दुश्मन देश जिस तरह के बयान दे सकता है, लगभग उसी तरह के बयान डोनाल्ड ट्रंप लगातार दिए जा रहे हैं। अमेरिका में बिना पूरे कागजात के रह रहे भारतीयों को जिस तरह हथकड़ी के साथ अपने सैन्य विमान में भेजा गया, वो दृश्य जनता नहीं भूली है। इसके बाद उन्होंने नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान उनके सामने ही कहा था कि वे भारत पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे, जितना भारत लगाता है। इस धमकी के बाद उन्होंने भारत पर दबाव डाला कि वह अपना टैरिफ कम करे। टैरिफ के अलावा भारत और पाकिस्तान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि दोनों देशों के नेता उनके अच्छे मित्र हैं, दोनों देशों को ट्रंप ने एक पलड़े पर रखा। जबकि भारत पाक समर्थित आतंकवाद से पीड़ित देश है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच में ही ट्रंप ने ऐलान कर दिया कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से लंबी चर्चा की और युद्धविराम करवा दिया है। इसके बाद पाकिस्तान की तरफ से हमले हुए, लेकिन ट्रंप की नजर में फिर भी दोनों देश एक समान ही रहे। सऊदी अरब और कतर के दौरे पर भी ट्रंप ने युद्धविराम के लिए व्यापार का दबाव डालने वाला बयान दिया और भारत ने इसे नहीं नकारा। एक के बाद एक सारे भारत विरोधी बयानों के बाद अब ताजा बयान एप्पल के भारत में निवेश को रोकने के लिए ट्रंप ने दिया है। ट्रंप ने एक तरफ टिम कुक से कहा कि वे भारत में आईफोन बनाना बंद करे, दूसरी तरफ ये भी कहा कि अगर आप भारत की मदद करना चाहते हो, तो ठीक है, लेकिन भारत दुनिया के सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। वहां बेचना मुश्किल है। भारत ने हमें एक प्रस्ताव दिया है, जिसमें उन्होंने हमारे सामानों पर कोई टैरिफ नहीं लगाने का वादा किया है।

गौर करने वाली बात है कि भारत क्या करने जा रहा है, या उसने क्या प्रस्ताव दिया है, यह बात नुक्कड़ की चाय दुकान पर होने वाली चर्चा में किसी आम शख्स ने नहीं कही है, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान आए हैं, इसके बाद भी भारत सरकार कुछ कह क्यों नहीं रही। इन बयानों की सच्चाई सामने क्यों नहीं रख रही, यह समझ से परे है।

अमेरिकी दबाव के संदर्भ में पुतिन की महत्वपूर्ण भारत यात्रा

– डॉ. अजय पटनायक

रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी

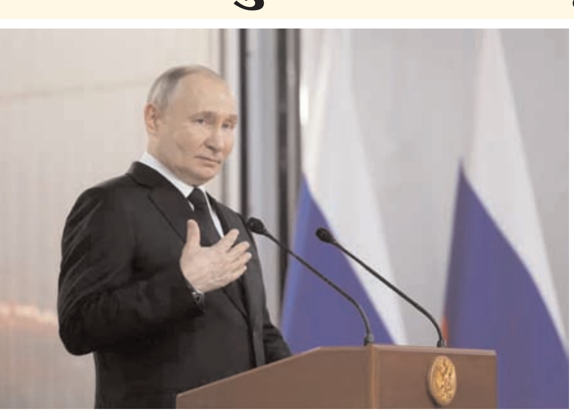

मास्को में 9 मई को हजारों रूसी सैनिकों ने रेड स्क्वायर पर मार्च किया जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80 वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस मौके पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेता उपस्थित थे।

द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए 2.5 करोड़ से 2.7 करोड़ सोवियत सैनिकों और नागरिकों को यह दिन समर्पित किया गया। भारत की ओर से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रतिनिधित्व किया क्योंकि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले और परवर्ती घटनाओं के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल नहीं हो सके। पहलगाम हमले के बाद पुतिन और मोदी ने फोन पर बातचीत के दौरान भारत-रूस संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर चर्चा की। पुतिन ने इस बार भारत में दोनों देशों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

अक्टूबर, 2000 में भारत-रूस सामरिक भागीदारी संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से भारतीय प्रधानमंत्री व रूसी परिसंघ के राष्ट्रपति के बीच शिखर बैठकें होती रही हैं जिनमें दोनों देश सर्वोच्च स्तर पर अपने संबंधों का जायजा लेते हैं और उन्हें दिशा एवं प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। ये दौरे प्रत्येक देश के नेताओं के बीच वैकल्पिक होते हैं। चूंकि मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूस का दौरा किया था इसलिए रूसी राष्ट्रपति की अगली यात्रा इस साल कभी भी होने की उम्मीद है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरूआत के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव ने रूस को पश्चिम के बाहर सहभागियों की तलाश करने के लिए मजबूर किया। पुतिन ने ब्रिक्स, एससीओ और जी-20 जैसे मंचों पर नेताओं से मिलने के हर अवसर का उपयोग किया है लेकिन अधिक उपयोगी और सहायक स्टैंड-अलोन द्विपक्षीय बैठकें हैं। रूस ने बहुपक्षीय और द्विपक्षीय दोनों प्रारूपों की कोशिश की है। 2022 में ही सभी पांच मध्य एशियाई नेताओं ने मास्को में 9 मई को आयोजित विजय दिवस परेड में भाग लिया था। इस साल रूस ने जीत की 80वीं वर्षगांठ के लिए भारत और चीन सहित कई अन्य मित्रज देशों के नेताओं को आमंत्रित किया।

यूक्रेन में युद्ध के बाद से इस विजय दिवस परेड का रूस के लिए विशेष अर्थ है। यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियानों के मुख्य लक्ष्यों में से एक गैर नाजीकरण रहा है। मित्र देशों के नेताओं को निमंत्रण का उद्देश्य केवल रूस की साझेदारी की विश्वसनीयता का प्रदर्शन करना नहीं बल्कि यह संदेश देना भी है कि राष्ट्रवाद की आड़ में फासीवादी अभी भी बहु-जातीय और बहु-सांस्कृतिक देशों को तोड़ने के लिए उपयोग करते हैं। इस तरह उनके खिलाफ लड़ाई अभी भी प्रासंगिक और आवश्यक है।

भारत-रूस संबंध वार्षिक रणनीतिक साझेदारी बैठक का प्रारूप अधिक फलदायी रहा है और दोनों देशों के संबंध इस आधार पर लगातार मजबूत हुए हैं। 2000 के बाद यूक्रेन युद्ध की शुरूआत तक दोनों देशों के सर्वोच्च नेतृत्व बैठक कर रहे हैं। दो साल के अंतराल के बाद मोदी ने 2024 में रूस का दौरा किया और इस साल पुतिन की यात्रा होने वाली है। जब पुतिन ने वर्ष 2021 में भारत का दौरा किया था तब अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर (आईएएसटीसी) एवं व्लादिवोस्तोक-चेन्नई कॉरिडोर जैसे परिवहन गलियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अगले साल यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में समरकंद (एससीओ बैठक) में बैठक हुई। रूस के हित मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित थे कि मित्र देशों को यूक्रेन पर अपनी स्थिति कैसे समझाई जाए। समरकंद में मोदी ने प्रसिद्ध बयान दिया कि अब युद्धों का युग नहीं है। 2024 में कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन - मोदी बैठक हुई जिसके बाद जुलाई 2024 में 22वें वार्षिक रणनीतिक साझेदारी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। ये बैठकें रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की परवाह किए बिना व्यापार और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने में मदद करती हैं। तेल आयात रोकने के पश्चिमी देशों के आह्वान के बावजूद भारत ने रूसी तेल खरीद जारी रखी। भारत ने यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कभी मतदान नहीं किया है जिसे मास्को द्वारा बहुत सराहा गया। 2025 में दोनों नेताओं की अगली बैठक वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ प्रमुख बदलावों की पृष्ठभूमि में होगी। राजनीतिक दृष्टि से रूस पर अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ संघर्ष विराम समझौते तक पहुंचने के लिए दबाव डाला जा रहा है।

यूक्रेन ने लड़ाकू मिशन पर एफ-16 जेट से संपर्क खो दिया

एजेंसी
कीव। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि उसने लड़ाकू मिशन के दौरान एक एफ-16 लड़ाकू जेट से संपर्क खो दिया। वायु सेना ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पायलट द्वारा तीन हवाई लक्ष्यों को नष्ट करने और विमान की तोप से चौथे को नष्ट करने के बाद विमान में एक आपात स्थिति उत्पन्न हुई, पायलट ने विमान को आबादी वाले क्षेत्रों से दूर ले जाने में कामयाबी हासिल की और फिर विमान से बाहर निकल गया और बाद में उसे ढूंढकर निकाला गया। यूक्रेन ने बताया कि पिछले महीने एक 26 वर्षीय पायलट एफ-16 से जुड़े लड़ाकू मिशन पर मारा गया था। यूक्रेन को अगस्त 2024 में एफ-16 लड़ाकू विमानों का पहला बैच प्राप्त हुआ।

अबू धाबी में यूएई, अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझेदारी बढ़ाने के लिए वार्ता की

अबू धाबी, 16 मई (वार्ता) संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अबू धाबी में राष्ट्रपति भवन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ वार्ता की। जिसमें दोनों देशों की अपनी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। यूएई की सनकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने यह जानकारी दी।डब्ल्यूएएम के अनुसार दोनों नेताओं ने निवेश, ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उद्योग सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। शेख मोहम्मद ने यूएई-अमेरिका संबंधों की गहराई पर प्रकाश डाला, जो उन्होंने कहा कि पांच दशकों से अधिक समय तक फैला हुआ है। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए यूएई के समर्पण की पुष्टि की।

पुतिन ने की रूसी सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख की नियुक्ति

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेना के जनरल ओलेग साल्युकोव को रूसी सुरक्षा परिषद का उप सचिव नियुक्त किया है । रूसी सरकार द्वारा प्रकाशित एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गयी। जनरल साल्युकोव को रूसी ग्राउंड फोर्सेज के कमांडर-इन-चीफ के अपने वर्तमान पद से मुक्त कर दिया जाएगा, जिस पद पर वह 2014 से है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रमुख सैन्य अभियानों की देखरेख की और मॉस्को में रेड स्क्वायर पर विजय दिवस सैन्य परेड की कमान संभाली, जिसमें इस साल 9 मई को आयोजित सबसे हालिया परेड भी शामिल है। तास समाचार एजेंसी ने बताया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1955 में सारातोव में जन्मे जनरल साल्युकोव दशकों का अनुभव रखने वाले सैन्य अधिकारी हैं।

नाइजीरिया में लासा बुखार से मरने वालों की संख्या 138 हुई

अबूजा। अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश नाइजीरिया में लासा बुखार के प्रकोप से मरने वालों की संख्या इस साल की शुरुआत से 138 हो गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में, नाइजीरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (एनसीडीसी) ने कहा कि अब तक 717 पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं। एनसीडीसी ने कहा कि इस साल अब तक देश के 36 राज्यों में से कम से कम 18 राज्य वायरल रक्तस्रावी बीमारी से प्रभावित हुए हैं, जिसमें दक्षिणी राज्य ओंडो और उत्तरी राज्य बाउची और तराबा सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहाँ कुल पुष्ट मामलों का 71 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, इस विकास ने ÷देशव्यापी हस्तक्षेप के बावजूद लगातार हॉटस्पॉट का संकेत दिया है।÷ एनसीडीसी ने कहा कि नवीनतम मृत्यु दर के साथ, मृत्यु दर बढ़कर 19.2 प्रतिशत हो गई है, तथा कुल मिलाकर, हताहतों की संख्या में यह वृद्धि चिंताजनक बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को झटका, वेनेजुएला के लोगों को अमेरिका से निकालने पर रोक लगाई

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को करारा झटका लगा है। अदालत ने वेनेजुएला के लोगों को देश से निकालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने का पूरा मौका देना चाहिए। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अदालत के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है। टेक्सास के एक हिरासत केन्द्र में वेनेजुएला के लोग बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के लोगों को सन 1798 में बने एलियन एनिमीज एक्ट के तहत देश से बाहर भेजना चाहता है। मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के जरिए मामला अदालत पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के बाद कहा कि 24 घंटे में बिना सुनवाई अप्रवासी लोगों को अमेरिका से बाहर भेजना सही नहीं हैं। एसीएलयू के प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को निचली अदालत सर्किट कोर्ट को भेज दिया है, जिससे इस मुद्दे वर विस्तार से सुनवाई हो सके। उधर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट हमे अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं दे दे रहा। गौरतलब है कि इससे पहले यह मामला अमेरिका का निचली अदालत में पहुंचा था। लेकिन अदालत ने इसे सुनने से इंकार कर दिया था। उसके बाद एसीएलयू संगठन ने सुप्रीम कोर्ट ने दस्तक दी थी। क्या है एलियन एनिमीज एक्ट एलियन एनिमीज एक्ट एक युद्ध कालीन कानून है। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को शत्रु देशों के नागिरकों को हिरासत में लेने या फिर देश से बाहर निकालने का अधिकार है। यह कानून 1798 में बनाया गया था। इस कानून को आखिरीबार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लागू किया था। इसके बाद अब ट्रम्प ने इस कानून का प्रयोग वेनेजुएला के लोगों के ऊपर कर रहे हैं।

शहबाज ने माना-नूरखान एयरबेस पर किया था भारत ने हमला

एजेंसी
इस्लामाबाद। तमाम झूंठ बोलने के बाद आखिर पाकिस्तान ने भारत द्वारा किए गए एयरबेस व अन्य स्थानों पर हमलों की बात मान ली है। वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कबूल किया है कि भारत की सेना ने रावल पिंडी स्थित नूर खान एयरबेस समेत कई स्थानों पर हमले किए थे।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पहले जहां पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर उन्हें तबाह किया, वहीं उसके बाद वहां के एयरबेस को हमला बनाया था। इस दौरान भारत ने रावलपिंडी के नूरखान, पंजाब के रहीम यार खान, सरगोधा समेत 11 प्रमुख एयरबेस पर बैलिस्टक मिसाइलों से हमला किया था। भारतीय हमले में पाकिस्तान के नौ एयरबेस को भारी नुकसान पुहंचा था। लेकिन पाकिस्तान इन हमलों को लगातार नकार रहा था। यहां तक कि संसद तक में वहां के विदेश मंत्री समेत कई नेताओं ने झूठ बोलते हुए उल्टे भारत को भारी नुकसान होने की बात कही थी। लेकिन अब देर से सही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नूर खान एयरबेस पर भारत के हमले की बात स्वीकार कर ली है। द पैट्रियट के मुताबिक शुक्रवार की रात को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि दस मई की रात करीब ढाई बजे सेना प्रमुख आसिम मुनीर का उनके पास सेफ लाइन से फोन आया था। उन्होंने बताया था कि भारत की बैलिस्टक मिसाइलों ने नूर खान एयरबेस समेत कई इलाकों को नुकसान पहुंचाया है।

इज़रायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर ताज़ा मिसाइल हमले की ज़िम्मेदारी ली हूती ने

एजेंसी
सना/यरूशलम। यमन के हूती समूह ने कहा कि उसने मध्य इज़रायल में बेन गुरियन हवाई अड्डे पर एक नया बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया है, जिसे कथित तौर पर रात में इज़रायली रक्षा प्रणालियों द्वारा रोक दिया गया था। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी द्वारा प्रसारित एक बयान में कहा, ÷हमने हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का उपयोग करके बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाकर एक गुणात्मक सैन्य अभियान चलाया। प्रवक्ता ने कहा कि ÷बेन गुरियन हवाई अड्डे पर हवाई नेविगेशन पर प्रतिबंध लगाने के लिए हूतियों का अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि इज़रायल गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी एन्क्लेव के खिलाफ़ अपना आक्रमण और नाकाबंदी समाप्त नहीं कर देता। इससे पहले रात में इज़रायल रक्षा बलों ने एक बयान में कहा कि उन्होंने यमन से दागी गई एक मिसाइल को रोक दिया। प्रक्षेपण के बाद, आईडीएफ ने मध्य इज़रायल के क्षेत्रों में निवासियों को एक स्मार्टफोन एप्लिकेशन अलर्ट जारी किया। लगभग दो मिनट बाद, उन क्षेत्रों में सायरन सक्रिय हो गए, जिससे निवासियों को आश्रय लेना पड़ा। इज़रायल की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा, मैगन डेविड एडोम ने बताया कि कुछ मामलों में घबराहट और आश्रय की ओर भागते समय लोगों के घायल होने के अलावा कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका ने उन्नत मिसाइलों के लिए तुर्की को 22.5 करोड़ डॉलर की विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दी

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका ने उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एएमआरएएएम) के लिए तुर्की को 22.5 करोड़ डॉलर की विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी प्रदान की है। विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 22.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत पर तुर्की को एआईएम-120सी-8 उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और संबंधित रसद एवं कार्यक्रम समर्थन तत्वों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रस्तावित बिक्री नाटो सहयोगी की सुरक्षा में सुधार करके अमेरिकी विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा का समर्थन करेगी, जो यूरोप में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए एक ताकत बनी हुई है। बयान में कहा गया है कि यह प्रस्तावित बिक्री तुर्की को अपनी मातृभूमि और वहां तैनात अमेरिकी कर्मियों की रक्षा करने में सहायता करने के लिए एक महत्वपूर्ण हवाई रक्षा क्षमता प्रदान करेगी। तुर्की को इन वस्तुओं एवं सेवाओं को अपने सशस्त्र बलों में शामिल करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। इस उपकरण एवं सहायता की प्रस्तावित बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा।

जलवायु परिवर्तन का वैश्विक प्रभाव कम करने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध : भूपेन्द्र यादव

एजेंसी
काठमांडू। भारत सरकार के वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभाव से भारत बहुत ही गंभीरता से लेता है और इसके समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। नेपाल सरकार की ओर से जलवायु परिवर्तन का हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ने वाले असर को लेकर आयोजित सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन में भारत की भूमिका न्यूनतम है, लेकिन उसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास अधिकतम हो रहा है। अपने संबोधन के दौरान मंत्री भूपेन्द्र यादव ने माना कि जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक असर हिमालयी क्षेत्र के देशों में हो रहा है। उन्होंने बताया कि भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं है। उनका कहना है कि भारत के हिमालयी क्षेत्र के प्रदेश की जनता की चिंता को राष्ट्रीय महत्व के साथ देखती है और उसे समाधान के उपायों को लेकर कार्य कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को झटका, वेनेजुएला के लोगों को अमेरिका से निकालने पर रोक लगाई

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से ट्रम्प प्रशासन को करारा झटका लगा है। अदालत ने वेनेजुएला के लोगों को देश से निकालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने का पूरा मौका देना चाहिए। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अदालत के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की है। टेक्सास के एक हिरासत केन्द्र में वेनेजुएला के लोग बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के लोगों को सन 1798 में बने एलियन एनिमीज एक्ट के तहत देश से बाहर भेजना चाहता है। मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के जरिए मामला अदालत पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के बाद कहा कि 24 घंटे में बिना सुनवाई अप्रवासी लोगों को अमेरिका से बाहर भेजना सही नहीं हैं। एसीएलयू के प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को निचली अदालत सर्किट कोर्ट को भेज दिया है, जिससे इस मुद्दे वर विस्तार से सुनवाई हो सके। उधर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट हमे अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं दे दे रहा। गौरतलब है कि इससे पहले यह मामला अमेरिका का निचली अदालत में पहुंचा था। लेकिन अदालत ने इसे सुनने से इंकार कर दिया था। उसके बाद एसीएलयू संगठन ने सुप्रीम कोर्ट ने दस्तक दी थी। क्या है एलियन एनिमीज एक्ट एलियन एनिमीज एक्ट एक युद्ध कालीन कानून है। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को शत्रु देशों के नागिरकों को हिरासत में लेने या फिर देश से बाहर निकालने का अधिकार है। यह कानून 1798 में बनाया गया था। इस कानून को आखिरीबार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लागू किया था। इसके बाद अब ट्रम्प ने इस कानून का प्रयोग वेनेजुएला के लोगों के ऊपर कर रहे हैं।

नेपाल दौरे पर भारतीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री सहित अन्य से मुलाकात

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के दौरे पर आये भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज नेपाल में कई बैठकें की हैं। इनमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा और वन मंत्री ऐन बहादुर शाही के साथ अलग-अलग मुलाकात हुई। नेपाल सरकार की ओर से आयोजित सागरमाथा संवाद में शामिल होने आए मंत्री भूपेन्द्र यादव ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ शिष्टाचार मुलाकात की है। प्रधानमंत्री के सरकारी निवास पर इस मुलाकात के दौरान ओली ने भारत के केन्द्रीय मंत्री से आग्रह किया कि जलवायु परिवर्तन के असर को लेकर भारत एक हिमालयी देशों की एक बैठक आयोजन करे, जिसमें पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के असर पर और उसके उपायों पर चर्चा हो सके। प्रधानमंत्री ओली के साथ अन्य द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में दोनों पड़ोसी देशों की साझा समस्या और साझा एजेंडा बनाकर सहकार्य करने को लेकर चर्चा हुई। मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भारत पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को भारत हमेशा ही प्राथमिकता में रखा है और आने वाले दिन में भारत के ही नेतृत्व में विश्व कल्याण के लिए ऐसे मुद्दों को आगे ले जाएगी। भूपेन्द्र यादव ने आज ही नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा से मुलाकात की है। इस बैठक के दौरान उन्होंने नेपाल-भारत संबंधों, आपसी हितों और सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। इस अवसर पर विदेश मंत्री राणा ने सागरमथा संबाद के उद्घाटन संस्करण में भाग लेने के लिए मंत्री यादव और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। केन्द्रीय मंत्री यादव ने नेपाल के वन तथा पर्यावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही के साथ साइडलाइन द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान नेपाल की तरफ से भारत के साथ साझा एजेंडा बनाकर वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहयोग करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के डाक्टर की गोली मारकर हत्या

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब अहमदिया समुदाय पर भी हिंसा होना शुरू हो गई है। बीती रात अहमदिया समाज के वरिष्ठ डाक्टर शेख महमूद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक हमलावर उनके क्लीनिक में घुसा और गोलियों की बौछार कर दी। हमलाकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पिछले दो महीने में अहमदिया समुदाय के तीसरे व्यक्ति की हत्या है। जमात ए अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के मुताबिक घटना पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा में शाम की है। डा. शेख महमूद अपने क्लीनिक पर थे। तभी उन पर हमला कर दिया गया। डाक्टर की हत्या करने में तहरीक ए पाकिस्तान का हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उनकी हत्या को लेकर मानवाधिकार समूहों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। डा. शेख महमूद मानवतावादी थे, इसलिए उन्हें समय-समय पर चरमपंथियों से धमकियां मिलती रहती थीं। वह पहले सरकारी नौकरी में थे। लेकिन चरमपंथी गुट तहरीक ए पाकिस्तान के दबाव में उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी थी। इस घटना के बाद अहमदिया समुदाय में भय का माहौल है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की है।

संयुक्त राष्ट्र मिशन ने हिंसक झड़पों के बाद सशस्त्र समूहों से लीबिया की राजधानी से हटने का किया आग्रह

एजेंसी
त्रिपोली। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने गुरुवार को सशस्त्र समूहों से लीबिया की राजधानी त्रिपोली से तुरंत हटने और अपने बैरकों में लौटने का आह्वान किया, क्योंकि दो दिनों तक हिंसक झड़पों में कम से कम छह लोग मारे गए थे। यूएनएसएमआईएल ने एक बयान में कहा, यूएनएसएमआईएल त्रिपोली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ़ गोलियों के इस्तेमाल की खबरों से बेहद चिंतित है, जो कल रात सड़कों पर उतरे थे। साथ ही, उसने कहा कि वह राजधानी में नाजुक संघर्ष विराम पर बारीकी से नज़र रख रहा है। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि वह मध्यस्थों के साथ बातचीत कर रहा है और मौजूदा संघर्ष विराम का समर्थन करने और उसे बनाए रखने के लिए एक समर्पित तंत्र शुरू करने पर काम कर रहा है। रात त्रिपोली में प्रधानमंत्री अब्दुल-हामेद दबीबा के वफादार बलों और राष्ट्रपति परिषद से संबद्ध एक शक्तिशाली उग्रवादी समूह स्थिरता सहायता तंत्र (एसएसए) के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इस झड़प में एसएसए के प्रमुख अब्दुल गनी अल-किकली उर्फ गनीवा की मौत की खबर है।

गाजा में जारी युद्ध को लेकर मैं नेतन्याहू से निराश नहीं : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि गाजा में जारी संघर्ष के बीच भी वह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से 'निराश' नहीं हैं। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के ब्रेट बैयर को अबू धाबी से दिए गए साक्षात्कार में नेतन्याहू का बचाव करते हुए कहा, 'नहीं, देखिए, उनके सामने मुश्किल स्थिति है। आपको याद रखना होगा, 7 अक्टूबर की वह घटना थी जिसे हर कोई भूल जाता है। यह दुनिया के इतिहास में सबसे हिंसक दिनों में से एक था, मध्य पूर्व में नहीं, बल्कि दुनिया में, जब आप टेप (रिकॉर्डेड क्लिप्स) देखते हैं।'

'यह समस्या कभी नहीं होनी चाहिए थी।' दरअसल, मध्य पूर्व की अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के दौरान ट्रंप इजरायल में नहीं रुके, और सीधे सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे। सवाल इसी रवैए को लेकर पूछा गया था। बैयर ने ट्रंप से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि नेतन्याहू का मानना है कि ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौता क्षेत्र के लिए बुरा है, क्योंकि प्रशासन वार्ता में लगा हुआ है। ट्रंप ने जवाब दिया, बीबी, वह एक गुस्सैल आदमी हैं, और उन्हें 7 अक्टूबर की वजह से ऐसा होना चाहिए, और वह इससे बुरी तरह आहत हुए हैं, लेकिन दूसरे तरीके देखें तो उन्हें काफी मदद भी मिली है क्योंकि मुझे लगता है कि उन्होंने कड़ी मेहनत और बहादुरी से लड़ाई लड़ी है।हालांकि ट्रंप बार-बार कहते रहे हैं कि अमेरिका को गाजा अपने कब्जे में लेना चाहिए और उसकी तरक्की पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया कि इस क्षेत्र को स्वतंत्र क्षेत्र बनना चाहिए।ट्रंप ने कहा, गाजा एक बुरा स्थान है। यह सालों से ऐसा ही है। मुझे लगता है कि इसे एक मुक्त क्षेत्र बन जाना चाहिए, मैं इसे स्वतंत्र क्षेत्र कहता हूं। उनके पास हमास है। हर जगह हर कोई मारा जा रहा है। मेरा मतलब है, क्या आपने कभी अपराध के आंकड़ों के बारे में बात की है? यह एक बुरी जगह है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को संकेत दिया कि वे चाहते हैं कि गाजा की डांवाडोल स्थिति को संभालने में अमेरिका मदद करे, उन्होंने कहा कि बहुत से लोग भूख से मर रहे हैं और उन्हें अगले महीने बहुत सारी अच्छी चीजों की उम्मीद है।ट्रंप ने मध्य पूर्व की अपनी यात्रा के बाद अमेरिका लौटते समय एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि अगले महीने बहुत सारी अच्छी चीजें होने वाली हैं, और हम देखेंगे, हमें फ़लिस्तीनियों की भी मदद करनी होगी।जब एक संवाददाता ने पूछा कि क्या वे गाजा में युद्ध की इजरायली योजनाओं का समर्थन करते हैं? तो राष्ट्रपति ने जवाब दिया- आप जानते हैं, गाजा में बहुत से लोग भूख से मर रहे हैं, इसलिए हमें दोनों पक्षों को देखना होगा।उन्होंने कहा, लेकिन हम अच्छा काम करने जा रहे हैं। तीन खाड़ी देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में संयुक्त अरब अमीरात में ट्रंप ने दोहराया- ÷हम गाजा को देख रहे हैं, और हमें दोनों पक्षों को देखना होगा। इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। बहुत से लोग भूख से मर रहे हैं। बहुत से लोग। बहुत सी बुरी चीजें हो रही हैं।

इजरायली सेना ने गुरुवार को गाजा में जबरदस्त एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 100 से ज्यादा लोग मारे गए। गाजा सिविल डिफेंस के अनुसार, उत्तरी गाजा में जबाल्या और दक्षिण में खान यूनिस में बहुत से लोग हताहत हुए।

गुरुवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कतर में एक व्यापार गोलमेज सम्मेलन में गाजा पट्टी पर कब्जा करने की अपनी इच्छा दोहराई और कहा कि अमेरिका इसे एक स्वतंत्रता क्षेत्र बनाएगा।

एसीए की महिला क्रिकेट टीम घोषित

एजेंसी

प्रयागराज। कानपुर के कमला क्लब मैदान में 19 से 25 मई तक आयोजित होने वाली तीसरी डॉ. गौर हरि सिंघानिया राज्य महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की महिला क्रिकेट घोषित कर दी गई है। यह जानकारी इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा ने दी। उनके अनुसार टीम इस प्रकार है - फलक नाज (कप्तान), कात्यायनी पाठक, शालिनी सिंह, शिवानी मौर्या, अंशिका अस्थाना, हर्षी सिंह, राधा पांडेय, भार्गवी पांडेय, सृष्टि (विकेटकीपर), प्रीति यादव, संध्या यादव, आस्था मिश्रा, वाणी शुक्ला, वंशिका, खुशी सिंह। आरक्षित-रानी यादव, प्रज्ञा सिंह, ओवि सिंह, नमस्या, क्रिस्टी। इलाहाबाद की टीम का पहला मुकाबला 19 मई को कानपुर रेड से और दूसरा मैच 20 मई को गाजीपुर से होगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया 'ए' टीम का ऐलान, यशस्वी और ऋतुराज शामिल, अभिमन्यु ईश्वरन होंगे कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार (16 मई) को इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया 'ए' टीम की घोषणा कर दी है। इस 18 सदस्यीय मजबूत स्क्वॉड में यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे बड़े नाम शामिल हैं। टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को सौंपी गई है, जबकि ध्रुव जुरैल को उप-कप्तान और विकेटकीपर की भूमिका सौंपी गई है। साई सुदर्शन और शुभमन गिल दूसरे मैच से जुड़ेंगे: इंग्लैंड दौरे पर इंडिया 'ए' टीम को दूसरे मुकाबले से पहले साई सुदर्शन और शुभमन गिल जैसे सितारों का साथ भी मिलेगा। हालांकि, अगर गुजरात टाइटंस फाइनल तक पहुंचती है, तो इन दोनों खिलाड़ियों को रेड बॉल क्रिकेट में ढलने का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि दूसरा मुकाबला 6 जून से शुरू होना है। पहला मुकाबला 30 मई को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेला जाएगा। सरफराज की वापसी, शार्दुल ठाकुर को मिला इनाम: लंबे समय तक चोट से जूझने के बाद सरफराज खान को टीम में चुना गया है। वहीं हालिया घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर को भी टीम में जगह दी गई है। उनके अलावा करुण नायर, नितीश कुमार रेड्डी, तुषार देशपांडे, तनुष कोटियन और आकाश दीप जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा हैं।

बीसीसीआई के हाई परफॉर्मेंस कैम्प में हिस्सा लेंगे हिमाचल के दो क्रिकेटर

धर्मशाला। बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस द्वारा बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट कैंप के लिए हिमाचल के दो युवा क्रिकेटरों का चयन हुआ है। अंडर 23 वर्ग के लिए आयोजित होने वाले इस कैम्प में हिमाचल से हमीरपुर के मृदुल सरोच और बिलासपुर के अनिकेत का चयन किया गया है। इस कैंप का आयोजन 26 मई से लेकर 14 जून तक बेंगलुरु में किया जाएगा। उधर हिमाचल के इन क्रिकेटरों के चयन पर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अवनीश परमार ने उन्हें बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि एचपीसीए द्वारा खिलाड़ियों के लिए दी जा रही आधुनिक और बेहतर सुविधाओं के चलते ही हिमाचल के क्रिकेटर इस तरह के कैंप के लिए चयनित हो रहे हैं।

वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा के नाम पर रखा गया स्टैंड का नाम

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) शाम 4:30 बजे वानखेड़े स्टेडियम में तीन नए स्टैंडों का उद्घाटन करेगा, जिसमें रोहित शर्मा, अजीत वाडेकर और शरद पवार को भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। दिवेचा पवेलियन लेवल 3 का नाम बदलकर रोहित शर्मा स्टैंड कर दिया गया है, जो भारत के वनडे कप्तान को उनके घरेलू मैदान पर सम्मान है। ग्रैंड स्टैंड लेवल 3 का नाम पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम पर होगा, जबकि ग्रैंड स्टैंड लेवल 4 पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर को समर्पित होगा। पिछले महीने आयोजित एमसीए की 86वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान इस निर्णय की पुष्टि की गई। रोहित ने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 2022 में पूर्णकालिक भारतीय कप्तान। सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विजय मर्चेंट के नाम पर वानखेड़े में पहले से ही स्टैंड हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप और मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। मुंबई के लिए उन्होंने 46 प्रथम श्रेणी मैच, 17 लिस्ट ए गेम और 25 टी20 खेले हैं। स्टाइलिश नंबर 3 बल्लेबाज और भारत के सबसे बेहतरीन स्लिप फील्डरों में से एक अजीत वाडेकर ने 1971 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड में ऐतिहासिक विदेशी टेस्ट सीरीज में भारत की अगुआई की। उन्होंने 1966 से 1974 के बीच 37 टेस्ट और 2 वनडे खेले और 1958-59 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया। अगस्त 2018 में 77 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर भाला फेंककर जीता दोहा डायमंड लीग, दूसरे स्थान पर रहे नीरज चोपड़ा

एजेंसी

दोहा। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग 2025 में अपने करियर की पहली 90 मीटर से लंबी थ्रो की, लेकिन इसके बावजूद वह खिताब से चूक गए। जर्मनी के जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का भाला फेंकते हुए प्रतियोगिता जीत ली।

नीरज का नया नेशनल रिकॉर्ड, लेकिन दूसरी बार भी दूसरा स्थान

नीरज ने 90.23 मीटर का शानदार भाला फेंककर 2022 में स्टॉकहोम डायमंड लीग में बनाया गया अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड (89.94 मीटर) तोड़ दिया। यह पहला मौका था जब नीरज ने 90 मीटर पार किया। प्रतियोगिता के बाद नीरज ने कहा, थोड़ा मिला-जुला अनुभव रहा। 90 मीटर पार करके

खुशी है, लेकिन दूसरी बार फिर से दूसरे स्थान पर रहना थोड़ा खलता है। ऐसा पहले भी टर्कू और स्टॉकहोम में हो चुका है। लेकिन मैं जूलियन के लिए भी खुश हूं। हम दोनों ने पहली बार 90 मीटर पार किया। ये सीजन की पहली प्रतियोगिता थी, आगे और बेहतर करने का भरोसा है।

शुरू से ही लीड में थे नीरज, लेकिन वेबर ने पलटी बाजी

नीरज ने अपनी पहली ही कोशिश में 88.44 मीटर फेंककर वर्ल्ड लीड हासिल कर ली थी। दूसरी कोशिश में उन्हें 'नो थ्रो' मिला, जबकि आगे की कोशिशों में उन्होंने 80.56 मीटर और 88.20 मीटर की थ्रो की। ऐसा लग रहा था कि नीरज जीत की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए बाजी पलट दी।

किशोर जेना का प्रदर्शन रहा फीका

भारत के ही एक अन्य प्रतिभागी किशोर जेना ने निराशाजनक शुरुआत करते हुए पहली बार में केवल 68.07 मीटर भाला फेंका। बाद में वह इसे सुधारकर 78.60 मीटर तक ले जा सके, लेकिन वह शीर्ष रैंक में नहीं आ पाए। इस प्रतियोगिता ने नीरज चोपड़ा और जूलियन वेबर के बीच आने वाले सीजन के रोमांच को और भी बढ़ा दिया है।

अल्टीमेट टेबल टेनिस का 31 मई से अहमदाबाद में होगा धमाकेदार आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) का छठा सीजन 31 मई से शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत अहमदाबाद के ईकेए एरिना में डबल हेडर मुकाबलों के साथ होगी। पहले मैच में सीजन 2 की चैंपियन डबंग दिल्ली टीटीसी का सामना श्रीजा अकुला की जयपुर पैट्रियट्स से होगा, जबकि दूसरे मैच में डिफेंडिंग चैंपियन डेम्पो गोवा चैलेंजर्स की टक्कर मेज़बान अहमदाबाद एसजी पाइपर्स से होगी।आयोजकों ने बताया कि सीजन 6 में हर टीम कुल 5 मुकाबले खेलेगी। हर टाई में 5 मैच होंगे, 2 पुरुष सिंगल्स, 2 महिला सिंगल्स और 1 मिक्स्ड डबल्स। लीग चरण के अंत में शीर्ष 4 टीम नॉकआउट में पहुंचेंगी। इस बार कुल 7 डबल हेडर मुकाबले तय किए गए हैं। डबल हेडर में पहले मुकाबले की शुरुआत शाम 5:00 बजे, और दूसरे मुकाबले की 7:30 बजे होगी, जबकि एकल मैचों की शुरुआत केवल 7:30 बजे से होगी।

टाटा आईपीएल 2025 में केकेआर ने रचा इतिहास, घरेलू मैदान में सात मैचों में पेश किए 14 अनोखे प्रदर्शन

एजेंसी

कोलकाता। टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने एक बार फिर साबित कर दिया कि 'सिटी ऑफ जॉय' सिर्फ नाम भर नहीं बल्कि क्रिकेट प्रेम और सांस्कृतिक उत्साह का जीवंत उदाहरण है। केकेआर ने इस सत्र अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स में दर्शकों के अनुभव को नई ऊंचाई दी और कुल सात घरेलू मुकाबलों में 14 अलग-अलग टिफो प्रस्तुत (अनोखे प्रदर्शन) कर भारतीय खेलों में एक नई सांस्कृतिक मिसाल कायम की।

क्या होता है टिफो?: टिफो आमतौर पर एक सुनियोजित और रचनात्मक दृश्य प्रस्तुति होती है, जिसमें बड़े-बड़े बैनर, झंडे या पोस्टर शामिल होते हैं। यह प्रस्तुति दर्शकों द्वारा मुकाबले से ठीक पहले स्टेडियम में की जाती है और यह टीम के प्रति उनके समर्थन और जुनून को दर्शाती है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दिखे 7 प्रदर्शन, बना यादगार पल

इस सत्र का सबसे यादगार क्षण तब देखने को मिला जब ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए बहुप्रतीक्षित मुकाबले में एक नहीं, पूरे सात

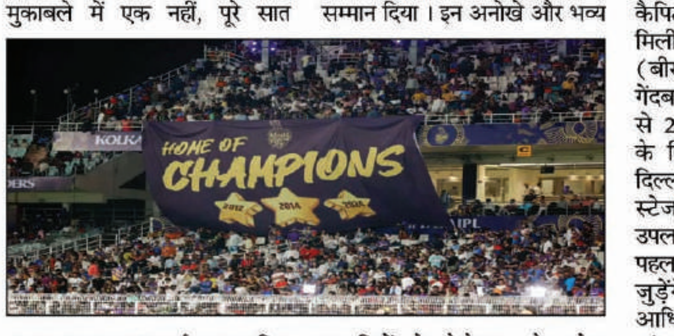

अलग-अलग दृश्य प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। ये प्रदर्शन न केवल खिलाड़ियों को समर्पित थे, बल्कि कोलकाता की संस्कृति, टीम के इतिहास और करबो, लरबो, जीतबो की भावना को भी पूरी शिद्दत से दर्शा रहे थे।

प्रशंसकों के साथ गहरा जुड़ाव: हर एक प्रदर्शन केकेआर की टीम भावना, निडरता, रचनात्मकता और अपने शहर से गहरे जुड़ाव को दर्शाता था। इन प्रस्तुतियों के ज़रिए टीम ने न केवल अपने खिलाड़ियों का उत्सव मनाया, बल्कि ईडन गार्डन्स को बार-बार भरने वाले वफादार प्रशंसकों को भी विशेष सम्मान दिया । इन अनोखे और भव्य प्रस्तुतियों ने केकेआर के घरेलू मुकाबलों को एक उत्सव का रूप दे दिया। इससे यह भी स्पष्ट हो गया कि केकेआर सिर्फ मैदान पर नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी दर्शकों के दिलों को जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। टाटा आईपीएल 2025 की यह अनूठी पहल निःसंदेह कोलकाता नाइट राइडर्स को सिर्फ एक टीम नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन बना चुकी है।

आईपीएल 2025: मुस्तफिजुर रहमान को दिल्ली कैपिटल्स के लिए आखिरी तीन लीग मुकाबले खेलने की मिली अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) के प्लेऑफ की रेस में बनी हुई दिल्ली कैपिटल्स को एक राहत की खबर मिली है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 18 से 24 मई तक आईपीएल खेलने के लिए एनओसी दे दी है। वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए लीग स्टेज के अंतिम तीन मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे। यूएई के खिलाफ पहला टी20 खेलकर टीम से जुड़ेंगे: बीसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 18 से 24 मई 2025 तक आईपीएल में भाग लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया है।

रहमान 17 मई को शारजाह में यूएई के खिलाफ पहला टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे, जिसके बाद वे सीधे दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगे। दिल्ली को 19 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली में मुकाबला खेलना है, जिसमें रहमान की उपलब्धता रहेगी।

पाकिस्तान दौरे से पहले लौटना होगा

29 वर्षीय मुस्तफिजुर रहमान वर्तमान में यूएई में हैं, जहां

बांग्लादेश दो मैचों की टी 20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेल रहा है। पहला मैच 17 मई और दूसरा 19 मई को होगा। इसके बाद बांग्लादेश टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी, जहां 25 मई से फैसलाबाद में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज शुरू होगी। रहमान को 24 मई तक ही आईपीएल खेलने की अनुमति मिली है, जिससे वह समय पर राष्ट्रीय टीम से जुड़ सकें।

विदेशी खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स की टीम पहले ही विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से जूझ रही है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डोनोवन फरेरा ने व्यक्तिगत कारणों से टीम में वापसी करने से मना कर दिया है। ऐसे में रहमान की उपलब्धता दिल्ली के लिए अहम होगी, जो अब भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, लेकिन रहमान केवल लीग स्टेज तक ही टीम के साथ रहेंगे।

आईपीएल 2025:प्लेऑफ की रेस में आरसीबी को चाहिए जीत, हारते ही बाहर हो जाएगी केकेआर

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में प्लेऑफ की दौड़ अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। आज शाम एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा, जहां एक तरफ आरसीबी की जीत उसे प्लेऑफ में पहुंचा देगी, वहीं हार केकेआर के लिए टूर्नामेंट का अंत बन सकती है। आरसीबी इस मुकाबले में जीत दर्ज करते ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर लेगी और टॉप-2 में पहुंचने की उम्मीदें भी जिंदा रखेगी। टीम फिलहाल शानदार लय में है और लगातार चार मुकाबले जीत चुकी है, जिनमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो रन से मिली रोमांचक

जीत भी शामिल है। उस जीत ने आरसीबी को खिताबी दावेदार की तरह पेश किया है।

कप्तान पटीदार फिट, शेफर्ड भी पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध

आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि लगभग सभी विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध हैं, सिवाय चोटिल जोश हेजलवुड के। कप्तान रजत पटीदार की चोट में भी सुधार हुआ है और वह इस मुकाबले के लिए फिट माने जा रहे हैं। वहीं, वेस्टइंडीज की वनडे टीम में चुने जाने के बावजूद ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड 3 जून तक पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। सीएसके के खिलाफ जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

केकेआर के लिए करो या मरो की स्थितिः दूसरी ओर, गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए हालात काफी मुश्किल हैं। उसे न सिर्फ अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने हैं, बल्कि अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। टीम के विदेशी खिलाड़ी (रोवमैन पॉवेल और मोईन अली को छोड़कर) अब स्क्वॉड से जुड़ चुके हैं, लेकिन अब भी टीम को हर विभाग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की दरकार है।

प्रो कबड्डी लीग: बंगाल वॉरियर्ज ने नवीन कुमार को बनाया हेड कोच

एजेंसी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग की दिग्गज टीम बंगाल वॉरियर्ज ने आगामी सीजन के लिए नवीन कुमार को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले नवीन कुमार कबड्डी के एक अनुभवी खिलाड़ी और कोच रह चुके हैं और उन्हें खेल में गहरी समझ, रणनीतिक सूझबूझ और विजयी सोच के लिए जाना जाता है। नवीन कुमार का कबड्डी में शानदार करियर रहा है। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कई बड़े टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीते हैं, जिनमें 10वें दक्षिण एशियाई खेल (2006), 15वें एशियाई खेल (2006), द्वितीय वर्ल्ड कप (2007) और द्वितीय इंडोर एशियन गेम्स (2007) शामिल हैं। उनकी जीत की आदत और मजबूत मानसिकता निश्चित रूप से बंगाल वॉरियर्ज को मजबूती प्रदान करेगी, जो प्रो कबड्डी लीग की स्थापना से जुड़ी टीमों में से एक है। कोच के रूप में भी नवीन कुमार ने खुद को एक शानदार रणनीतिकार और नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। वे युवा प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचाने में माहिर माने जाते हैं। उन्होंने भारतीय नौसेना और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया जैसी प्रमुख टीमों की कोचिंग की है और उन्हें कई बार पोडियम तक पहुंचाया है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए नवीन कुमार ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं बंगाल वॉरियर्ज का हेड कोच बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक शानदार मौका है एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम तैयार करने का।

चेल्सी और एस्टन विला ने घर में जीत के साथ चैंपियंस लीग की उम्मीदें ज़िंदा रखीं

एजेंसी

बर्मिंघम। चेल्सी और एस्टन विला ने अपने-अपने घरेलू मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगली चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें बरकरार रखीं। एस्टन विला ने टॉटनहैम हॉटस्पर को 2-0 से हराया, जबकि चेल्सी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ 1-0 की कड़ी जीत दर्ज की।

कोंसा और कमारा ने दिलाई विला को जीत

विला पार्क में खेले गए मुकाबले में मेज़बान टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा, लेकिन पहला गोल करने में उन्हें 59वें मिनट तक का इंतजार करना पड़ा। जॉन मैकगिन के कॉर्नर पर ओली वॉटकिंस ने हेडर से गेंद को आगे बढ़ाया जिसे बिना किसी मार्किंग के खड़े एज़री कोंसा ने गोल में बदल दिया।इसके बाद 76वें मिनट में बूबाकार कमारा ने पेनल्टी बॉक्स के किनारे से लो ड्राइव मारकर

विला की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह कमारा का प्रीमियर लीग में 69वें मैच में पहला गोल था। फ्रेंच मिडफील्डर कमारा ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, हम जानते थे कि आज जीतना बेहद जरूरी है। हम फिर से चैंपियंस लीग खेलना चाहते हैं।

चेल्सी की जीत में कुकरेला का गोल: दूसरी ओर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चेल्सी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच मुकाबला पहले हाफ में फीका रहा। लेकिन दूसरे हाफ में चेल्सी ने रफ्तार पकड़ी और 71वें मिनट में रीस जेम्स के क्रॉस पर स्पैनिश डिफेंडर मार्क कुकरेला ने हेडर से गोल करते हुए टीम को जीत दिलाई।

अंकतालिका में कांटे की टक्कर: इस जीत के साथ चेल्सी 66 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई, जबकि एस्टन विला गोल अंतर के आधार पर पांचवें स्थान पर है। लीग विजेता लिवरपूल के अलावा बाकी चैंपियंस लीग की चार जगहों के लिए आर्सेनल (68), न्यूकैसल (66), मैनचेस्टर सिटी (65) और नॉटिंघम फॉरेस्ट (62) की टीमें भी दौड़ में बनी हुई हैं। स्पर्स और मैनचेस्टर यूनाइटेड दोनों ही टीमें अगले हफ्ते होने वाले यूरोपा लीग फाइनल को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। हालांकि, अच्छी खबर यह रही कि दोनों ही टीमों को कोई नई चोट की समस्या नहीं हुई।

शुभमन पर सवाल उठाने वाले देखें उन्होंने कितने रन बनाए हैं : रवि शास्त्री

एजेंसी

मुंबई । भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रोहित शर्मा के संन्यास के बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत का समर्थन करते हुए कहा कि इनमें से किसी एक को टेस्ट टीम के कप्तान की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। आईसीसी पोटर्ल से बातचीत में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से भविष्य की सोच अपनाने का आग्रह किया और कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नेतृत्व का दबाव नहीं डाले जाना चाहिए। शास्त्री ने कहा कि मेरे लिए, ऑस्ट्रेलिया के बाद जसप्रीत स्पष्ट विकल्प होता। लेकिन मैं नहीं चाहता कि जसप्रीत को कप्तान बनाया जाए और फिर आप उसे गेंदबाज के रूप में खो दें। उन्होंने तेज गेंदबाज की पीठ की चोट का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें एक बार में एक खेल के लिए अपने शरीर पर ध्यान देना होगा।

दोहा डायमंड लीग- पारुल ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट पारुल चौधरी ने दोहा डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि आगामी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

खुद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

सुहैम बिन हमद स्टेडियम में हुई इस प्रतियोगिता में पारुल ने 9ः13.39 का समय निकाला। यह उनके ही 2023 विश्व चैंपियनशिप (बुडापेस्ट) में बनाए गए पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 9ः15.31 से बेहतर रहा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए किया क्वालिफाई

पारुल चौधरी ने 9:18.00 की क्वालिफिकेशन समय सीमा के भीतर दौड़ पूरी करके इस साल होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए

भी अपनी जगह पक्की कर ली है।

केन्या की चेरेटिच रहीं पहले स्थान पर

प्रतियोगिता में केन्या की फेथ चेरेटिच ने 9ः05.08 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं कतर की विनफ्रेड यावी ने 9ः05.26 के समय के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेव ने 9ः09.27 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए पोडियम पूरा किया।पारुल का यह प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन फाइनल में बनाई जगह, कार्लोस अल्कराज से होगा सामना

एजेंसी

रोम। तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी कर रहे जैनिक सिनर ने इटालियन ओपन के फाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के टॉमी पॉल को 1-6, 6-0, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। अब फाइनल में उनका सामना स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा, जिन्होंने लोरेंजो मुसेटी को 6-3, 7-6(4) से हराकर पहली बार रोम फाइनल में जगह बनाई।

1976 के बाद पहली बार इतालवी खिलाड़ी के पास खिताब जीतने का मौका

सिनर अब इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। यदि वे जीतते हैं, तो 1976 में एड्रियानो पानाटा के बाद रोम मास्टर्स खिताब जीतने वाले पहले इतालवी पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले, सिनर ने क्वार्टरफाइनल में कैस्पर रूड को करारी शिकस्त दी थी। हालांकि सेमीफाइनल के पहले सेट में वह अस्थिर नजर आए, लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

फिटनेस को लेकर चिंता, लेकिन जोश में कमी नहीं

मैच के अंत में सिनर अपनी जांघ पकड़ते और दर्द में नजर आए।

उन्होंने बाद में खुलासा किया कि तीसरे राउंड से उनके पैरों में ब्लिस्टर (छाले) हो गए हैं, जिससे मूवमेंट में परेशानी हो रही है। हालांकि उन्होंने कहा, कोई बहाना नहीं है। फाइनल में एड्रेनालिन के साथ काफी एनर्जी होगी। मैं पूरी तरह तैयार हूं।

सिनर और अल्कराज के बीच यह मुकाबला बीजिंग ओपन फाइनल (अक्टूबर 2024) के बाद पहली भिड़ंत होगी, जहां अल्कराज ने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जीत दर्ज की थी। दोनों के बीच अब तक 10 मुकाबले हुए हैं, जिनमें अल्कराज 6-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं। हालांकि, खास बात यह है कि बीजिंग में हारने के बाद से सिनर एक भी मैच नहीं हारे हैं और वे 26 मैचों की विजयी लय में हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट है।

अल्कराज भी जबरदस्त फॉर्म में, लगातार तीसरे क्ले-कोर्ट फाइनल में पहुंचे

यह सीजन अल्कराज के लिए भी शानदार रहा है। उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स जीता, बार्सिलोना ओपन में रनर-अप रहे, और अब रोम फाइनल में हैं। हालांकि मैड्रिड ओपन से उन्होंने चोट के कारण नाम वापस ले लिया था। फिलहाल वे दाहिने पैर पर एक लंबा ब्लैक ब्रेस पहनकर खेल रहे हैं, लेकिन खेल पर उसका खास असर नहीं दिख रहा।

महिला वर्ग में गॉफ और पाओलिनी के बीच टक्कर

महिला फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ और इटली की जैस्मिन पाओलिनी आमने-सामने होंगी। वहीं, डबल्स में पाओलिनी और सारा एर्रानी की जोड़ी भी फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने रूस की मिर्रा अंद्रेएवा और डायना श्नाइडर को 6-4, 6-4 से हराया।

17 साल पहले बनीं इंटरनेशनल क्रश, 'जन्नत गर्ल' के नाम से हुईं मशहूर, अब कहां हैं

सोनल चौहान

आज से 17 साल पहले 2008 में एक फिल्म आई, जो सट्टे पर आधारित थी, लेकिन उसमें एक लव स्टोरी भी दिखाई गई. फिल्म का नाम 'जन्नत'. ये फिल्म इमरान हाशमी की थी लेकिन इसमें लीड एक्ट्रेस सोनल चौहान थीं, जो रातों-रात नेशनल क्रश बनकर फेमस हो गई थीं. उन्हें 'जन्नत गर्ल' कहा जाने लगा था. सोनल चौहान ने इसके बाद कई फिल्में की, लेकिन उन्हें आज भी 'जन्नत' के लिए ही जाना जाता है.

सोनल चौहान ने बतौर मॉडल करियर की शुरुआत की थी और सबसे पहले ये हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं. सोनल चौहान की डेब्यू फिल्म कौन सी थी और आजकल ये क्या कर रही हैं, आइए जानते हैं.

सोनल चौहान का फिल्मी करियर

16 मई 2008 को सोनल चौहान का जन्म दिल्ली में हुआ था. सोनल ने नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की और दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से फिलॉसफी सबजेक्ट में पोस्ट ग्रेजुएशन किया. सोनल चौहान ने 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब जीता था. सोनल पहली बार हिमेश रेशमिया के गाने 'समझो ना' में बतौर एक्ट्रेस नजर आई थीं.

सोनल चौहान की डेब्यू बॉलीवुड फिल्म 'जन्नत' थी, जो सुपरहिट हुई. इस फिल्म के गाने खूब पॉपुलर हुए थे और आज भी सोनल को 'जन्नत गर्ल' के नाम से पुकारा जाता है. बॉलीवुड फिल्मों के अलावा सोनल ने साउथ सिनेमा की भी कुछ फिल्में की, जो सफल रहीं. पिछली बार सोनल फिल्म 'आदिपुरुष' (2023) में नजर आई थीं, जिसमें इन्होंने मंदोदरी का रोल प्ले किया था. सोनल ने 'बुड्ढा होगा तेरा बाप', 'लेजेंड', 'अ किलर कनेक्शन', 'डिडेक्टर', 'द घोस्ट', 'जैक एंड दिल' जैसी फिल्मों में काम किया है.

आजकल क्या कर रही हैं सोनल चौहान ?

सोनल चौहान ने 21 अप्रैल को अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं जब वो आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम को सपोर्ट करती नजर आई. इसके अलावा उनकी किसी फिल्म की कोई जानकारी फिलहाल नहीं है. सोनल इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां उन्हें 8.1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. सोनल चौहान ने ढेरों फिल्में की हैं, लेकिन आज भी उन्हें फिल्म 'जन्नत' के लिए ही याद किया जाता है और उनकी खूबसूरती की तारीफ आज भी फैंस उनके पोस्ट पर करते हैं.

नई नवेली दुल्हन संग तुर्की में हनीमून मनाने वाला था ये एक्टर, कश्मीर की वादियों में घूमने का भी था प्लान

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जब भारत पड़ोसी देश पाकिस्तान को खदेड़ रहा था तो तुर्की पाक की मदद कर रहा था. ऐसे में भारत ने तुर्की को भी सबक सिखाने का मन बनाया. सभी क्षेत्रों से भारतीय तुर्की का बायकॉट कर रहे हैं. इंडियन फिल्म इंडट्री ने भी तुर्की में भारतीय फिल्मों और शो की शूटिंग पर बैन लगा दिया है. जबकि, अब टीवी एक्टर सिद्धांत इस्सर ने तुर्की में अपना हनीमून कैंसिल कर दिया है. वहीं वो अप्रैल में कश्मीर भी घूमने के लिए जाने वाले थे, लेकिन उनकी ये प्लानिंग भी पहलगाम आतंकी घटना के चलते टल गई.सिद्धांत इस्सर बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता और महाभारत में दुर्योधन के किरदार में नजर आए पुनीत इस्सर के बेटे हैं. हाल ही में उन्होंने एक्ट्रेस सुरभि शुक्ला से शादी की थी. दोनों 21 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधे थे. न्यूली वेड कपल तुर्की में हनीमून मनाने जा रहा था, हालांकि अब उन्होंने देश के साथ खड़े होकर तुर्की में हनीमून मनाने का ख्याल छोड़ दिया और तुर्की की यात्रा कैंसिल कर दी. फिलहाल वो सुरभि के साथ गोवा में अपने घर पर हैं. जल्द ही अभिनेता मुंबई लौटेंगे और फैमिली के साथ अपना बर्थडे भी सेलिब्रेट करेंगे.

सिद्धांत ने कैंसिल किया तुर्की में हनीमून

सिद्धांत ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा, हम 23 अप्रैल को कश्मीर जाने वाले थे. फिर दो मई को मुंबई में अपने रिसेप्शन के लिए वापस आने वाले थे, मई में तुर्की भी जाना था. लेकिन, कश्मीर तुरंत चार्ट से बाहर हो गया और यहां तक कि तुर्की भी अब चार्ट से बाहर हो चुका है.

गोवा में बिता रहे वक्त, ग्रीस जाने का है प्लान

इन दिनों सिद्धांत और सुरभि गोवा में है. उन्होंने बताया कि गोवा में उनके पास 15 सालों से फैमिली होम है. सिद्धांत ने कहा, हम यहां छोटा हनीमून मना रहे हैं. हमारा असली हनीमून अभी भी बाकी है. हम यहां 15 दिनों से हैं और हम 19 मई को मेरे बर्थडे पर मुंबई वापस जाएंगे और परिवार के साथ इसे सेलिब्रेट करेंगे. उन्होंने आगे ये भी कहा कि तुर्की का हनीमून प्लान कैंसिल होने के बाद वो ग्रीस में हनमीमून प्लान कर रहे हैं.

85 करोड़ की फिल्म ने जब कूटे 800 करोड़, 11 साल पहले आया था आमिर खान का बवंडर

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता आमिर खान जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आने वाले हैं. लंबे समय बाद पर्दे पर उनकी वापसी हो रही है. आमिर खान बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं जिनकी फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. आमिर कम फिल्में करते हैं, लेकिन जब बॉक्स ऑफिस पर आते हैं तो छा जाते हैं. अपने करियर में आमिर ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. उनकी फिल्मों को देखने के लिए फैंस का हुजूम उमड़ पड़ता है.आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लाइन लंबी है. आज हम आपको उनकी 11 साल पहले आई एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं जिसने बॉक्स ऑफिस पर गजब की सफलता हासिल की थी. इसका बजट सिर्फ 85 करोड़ रुपये था,लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म बजट से 9 गुना से भी ज्यादा कमाई करने में कामयाब हुई थी. चलिए जान लेते हैं कि एक दशक पहले आई ये फिल्म कौन सी है जिसने न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ नोट बटोरे थे और ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

85 करोड़ में बनी थी 'पीके'

जिस फिल्म की यहां बात हो रही है उसका नाम है क्‍य. 'पीके' न सिर्फ आमिर की बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है. इस फिल्म ने विवादों के बीच भी फैंस का दिल जीता था. 'पीके' 19 दिसंबर 2014 को रिलीज हुई थी.

आमिर का साथ दिया था फिल्म में एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने. इस पिक्चर का हिस्सा बोमन ईरानी, सौरभ शुक्ला और परीक्षित साहनी, सुशांत सिंह राजपूत जैसे कलाकार भी थे. 'पीके' राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी थी, जिस पर मेकर्स ने 85 करोड़ रुपये की रकम खर्च की थी.

कमा डाले थे 800 करोड़

'पीके' ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी. इंडियन बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 26.63 करोड़, दूसरे दिन 30.34 करोड़ और तीसरे दिन 38.44 करोड़ कमाकर ये पिक्चर खुद को साबित कर चुकी थी. चार दिनों में 100 करोड़ से ज्यादा कमाने वाली 'पीके' ने भारत में टोटल 340 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं वर्ल्डवाइड इसने 792 करोड़ रुपये की कमाई की और ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई.

डेढ़ महीने में सनम जौहर ने छोड़ा शो,

भाविका शर्मा

की हुई वापसी!

स्टार प्लस का मशहूर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार' में दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जाता है. जल्द ही टीवी के इस पॉप्युलर टीवी सीरियल में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा. इस बदलाव के चलते 'गुम है किसी के प्यार' में अहम किरदार सनम जौहर अब इस सीरियल का हिस्सा नहीं रहेंगे. उन्होंने इस शो को अलविदा कह दिया है. लगभग डेढ़ मैंने पहले शो में आए हुए लीप के बाद

सनम जौहर की इस में एंट्री हुई थी.'गुम है किसी के प्यार' में सनम जौहर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, उनके इस तरह से अचानक शो छोड़ने से उनके फैंस थोड़े निराश हो गए हैं. हालांकि, सनम की एग्जिट के बाद सीरियल में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. खबर है कि एक्ट्रेस भाविका शर्मा, जिन्होंने पहले भी इस शो में काम किया था, उनकी इस शो में दोबारा एंट्री होने जा रही है. भाविका के वापस आने से कहानी में नया मोड़ आने की उम्मीद है.

अलग अंदाज में नजर आएंगी भाविका

भाविका शर्मा के किरदार को दर्शकों ने पहले भी पसंद किया था और उनकी वापसी से शो को नई एनर्जी मिल सकती है. भाविका इस बार पूरी तरह से अला अंदाज में नजर आने वाली हैं. निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा. अब देखना ये है कि ये बदलाव शो की टीआरपी पर क्या असर डालते हैं और कहानी किस दिशा में आगे बढ़ती है.

टीवी शो में चल रहा है लीप का ट्रेंड

सिर्फ 'गुम है किसी के प्यार' में ही नहीं बल्कि इस महीने कई टॉप टीवी शो में बड़े लीप देखने मिलने वाले हैं. रुपाली गांगुली का सीरियल 'अनुपमा' भी जल्द ही कुछ साल आगे जाने वाला है. अनुपमा के अलावा 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में भी अब 5 -6 साल का लीप देखने मिलेगा. भाग्यलक्ष्मी और झनक में भी जल्द जेनरेशन लीप देखने मिल सकता है.

40000 करोड़ रुपये से हथियार खरीद सकेंगे रक्षा बल

केंद्र सरकार ने रक्षा बलों को आपातकालीन खरीद शक्तियों की मंजूरी दी

नई दिल्ली
पाकिस्तान के खिलाफ जारी ऑपरेशन सिंदूर के बीच रक्षा बल 40,000 करोड़ रुपये की लागत से हथियार और गोला-बारूद खरीद सकेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार ने रक्षा बलों को आपातकालीन खरीद शक्तियों की मंजूरी दी है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन शक्तियों के तहत अधिग्रहण को मंजूरी हाल ही में रक्षा अधिग्रहण परिषद की ओर से दी गई। इसमें रक्षा मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों के शीर्ष अधिकारियों ने शिरकत की। आपातकालीन शक्तियों के तहत सेना निगरानी ड्रोन, कामिकेज ड्रोन, लंबी दूरी के हथियार और तोपखाने, वायु रक्षा और विभिन्न प्रकार की मिसाइलों तथा रॉकेटों के लिए गोला-बारूद जैसे उपकरण खरीदने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित लक्ष्यों पर ब्रह्मोस और स्केल्प क्रूज मिसाइलों सहित कई अन्य मिसाइलों से हमला किया था। केंद्र सरकार बजटीय आवंटन में सेनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त धनराशि देने पर भी विचार कर सकती है। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है जब ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान वायु सेना को करारा झटका देते हुए उसके 12 में से 11 हवाई ठिकानों पर हमला किया और उनके बुनियादी ढांचे और विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया।

पांच साल में पांचवीं बार मंजूरी
जिन उपकरणों के लिए सौदे हो रहे हैं, उन्हें आपातकालीन शक्तियों के तहत सेनाओं को एक निर्धारित समयावधि के अंदर हासिल करना होगा। यह पिछले पांच वर्षों में रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों की पांचवीं किश्त है।
सूत्रों ने बताया कि यह खरीद रक्षा वित्त शाखा के वित्तीय सलाहकारों की मदद से सेनाओं की ओर से की जाएगी।

दीर्घकालिक परियोजनाओं पर काम कर रहा रक्षा मंत्रालय
रक्षा मंत्रालय भी सेनाओं के लिए दीर्घकालिक परियोजनाओं पर काम कर रहा है और वरिष्ठ अधिकारी इस संबंध में उद्योग जगत के नेतृत्व के साथ बैठक कर रहे हैं। मंत्रालय के अधिकारी पहले ही सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और सौर रक्षा एवं एयरोस्पेस सहित निजी उद्योग के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठकें कर चुके हैं।

एयरबेस पर तबाही; कैसे सिद्ध हो रहे भारत के निशाने?

नई दिल्ली
भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिस सटीकता के साथ पहले आतंकी ठिकानों और फिर पाकिस्तान के एयरबेसों को निशाना बनाया गया, उसकी तस्दीक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से लेकर मीडिया समूह तक करने में जुटे हैं। सबूतों के इस भारी दबाव में खुद पाकिस्तान भी दबा नजर आ रहा है। शुरूआती दौर में भले ही उसने अपने सैन्य नुकसान की बात छिपाई हो, लेकिन अपनी कुछ हरकतों और कबूलनामे से एक के बाद एक उसकी क्षति सामने आ रही है। पाकिस्तान ने भले ही अपनी हानि को छिपाने के लिए भारत के बेसेज में तबाही की झूठी खबरें फैलाई हों, लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों ने पूरे घटनाक्रम की पोल खोल कर रख दी। इस बीच यह जानना अहम है कि आखिर पाकिस्तान को कितने नुकसानों की बात सामने आ चुकी है?

पाकिस्तान पर हमले में इस्तेमाल रैंपेज मिसाइलें आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत खरीदी गई

आपातकालीन खरीद शक्तियों ने रक्षा बलों को सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक पुर्जे और गोला-बारूद खरीदने की अनुमति देकर बड़ी मदद की है। पाकिस्तान में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रैंपेज मिसाइल को भी भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना ने आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत हासिल किया था। बाद में सेना ने इन मिसाइलों के लिए बड़ा ऑर्डर दिया और अब इनका उत्पादन देश में ही किया जाएगा। सेना और वायु सेना ने हेरोन मार्क 2 ड्रोन हासिल किए थे। इनका उपयोग ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लाइव ऑपरेशन पर नजर रखने के लिए किया गया था। इन्हें भी केवल आपातकालीन शक्तियों के तहत हासिल किया गया था।

सरकारी कंपनियों को और आर्डर मिलने की उम्मीद
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को परिचालन के दौरान ड्रोन का पता लगाने के लिए 10 और निम्न स्तरीय रडारों का ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि ये छह राडार के लिए दिए गए लोकेटर ऑर्डर के अतिरिक्त होगा। ड्रोन निर्माण में लगी कई भारतीय कंपनियों को भी तीनों सेनाओं से ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।

दीर्घकालिक परियोजनाओं पर काम कर रहा रक्षा मंत्रालय
रक्षा मंत्रालय भी सेनाओं के लिए दीर्घकालिक परियोजनाओं पर काम कर रहा है और वरिष्ठ अधिकारी इस संबंध में उद्योग जगत के नेतृत्व के साथ बैठक कर रहे हैं। मंत्रालय के अधिकारी पहले ही सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और सौर रक्षा एवं एयरोस्पेस सहित निजी उद्योग के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठकें कर चुके हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान वायु सेना को करारा झटका देते हुए उसके 12 में से 11 हवाई ठिकानों पर हमला किया और उनके बुनियादी ढांचे और विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया।
पांच साल में पांचवीं बार मंजूरी
जिन उपकरणों के लिए सौदे हो रहे हैं, उन्हें आपातकालीन शक्तियों के तहत सेनाओं को एक निर्धारित समयावधि के अंदर हासिल करना होगा। यह पिछले पांच वर्षों में रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों की पांचवीं किश्त है।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया

नई दिल्ली
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को नई दिल्ली में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। धनखड़ ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बेहतरीन निवेश करने वाला देश है और युवाओं को राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण की भावना विकसित करनी चाहिए। राष्ट्र प्रथम की भावना होनी चाहिए और हर निर्णय में राष्ट्र हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने आर्थिक राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए कहा कि हमें उन देशों पर निर्भरता कम करनी चाहिए जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने की आवश्यकता है। धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर की भी सराहना की और भारत के सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए बर्बर हमले का करारा जवाब था और दुनिया ने इसे देखा और स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक नया मानक स्थापित किया गया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान की सीमा के अंदर बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद को निशाना बनाया और यह भारत की अब तक की सबसे बड़ी सीमा पार की गई स्ट्राइक है। धनखड़ ने शिक्षा और शोध के मामले में व्यावसायीकरण के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यह देश शिक्षा के व्यावसायीकरण और वस्तुकरण को बर्दाश्त नहीं कर सकता और हमें समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा। उद्योग जगत के नेताओं से आह्वान करते हुए उन्होंने शोध के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को कॉर्पोरेट द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित किया जाना चाहिए और सीएसआर फंड को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष शरद जयपुरिया और उपाध्यक्ष श्रीवत्स जयपुरिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

विदेश मंत्री के बयान पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के हालिया बयान को आधार बनाते हुए शनिवार को कहा कि हमले की शुरूआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था, ...ऑपरेशन की शुरूआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढाँचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे....। इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला है। विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा था कि पाकिस्तान ने सैन्य हस्तक्षेप न करने की भारत की अच्छी सलाह को नहीं माना। वहीं, 10 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह से नुकसान पहुँचाया। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ पता चलता है कि किसे (पाकिस्तान) नुकसान हुआ है। इससे यह भी स्पष्ट है कि कौन (पाकिस्तान) गोलीबारी बंद करना चाहता था।

आईएमएफ बैठक में अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई केंद्र सरकार: जयराम

नई दिल्ली
पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण मिलने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की बैठक में अमेरिकी दबाव के आगे झुक गयी। सरकार ने बैठक में पाकिस्तान को ऋण देने पर चल रही चर्चा में जोरदार विरोध नहीं किया। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अब पाकिस्तान को ऋण देने के लिए आईएमएफ की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन 29 अप्रैल को ही मोदी सरकार के जागने से पहले ही कांग्रेस ने कहा था कि आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड इस मुद्दे पर विचार करने के लिए नौ मई को बैठक कर रहा है और भारत को इसका जोरदार विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता लगा है कि भारत ने केवल 9 मई को ही मतदान में हिस्सा नहीं लिया था। बाद में मोदी सरकार के समर्थकों, जय-जयकार करने वालों और सरकार का बचाव करने वालों ने तर्क दिया कि भारत के पास इसके अलावा कोई और विकल्प ही नहीं था।यह सरासर झूठ है। जयराम रमेश ने कहा कि आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड में 'नहीं' के पक्ष में मतदान करने का प्रावधान है। रूस ने सितंबर 2016 में यूक्रेन को ऋण देने के प्रस्ताव पर 'नहीं' वोट दिया था और भारत ने स्वयं 11 सितंबर 2005 को जिम्बाब्वे के निष्कासन के मुद्दे पर 'नहीं' वोट दिया था। जहां चाह, वहां राह, लेकिन मोदी सरकार नौ मई को आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की बैठक में अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान को दी गई एक अरब डॉलर की मदद पर फिर से पुनर्विचार करने की अपील की थी।

मानवता के लिए खतरा बन गया है पाकिस्तान: ओवैसी

नई दिल्ली
एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। ओवैसी ने कहा है कि पाकिस्तान मानवता के लिए खतरा बन गया है। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों को ट्रेनिंग, फंडिंग और हथियार दे रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करना चाहता है। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही असदुद्दीन ओवैसी कई बार पाकिस्तान को निशाने पर ले चुके हैं।

'पाकिस्तान, इस्लाम और मुसलमानों का रहनुमा बनता है, लेकिन ये बकवास'
एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तानी डीप स्टेट और पाकिस्तानी सेना का उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करना और समुदायों में बंटवारा कराना है। गौरतलब है कि ओवैसी को भी सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। इस पर उन्होंने कहा कि वे विदेशी सरकारों के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान खुद को इस्लाम और सभी मुसलमानों के रहनुमा के तौर पर पेश करता है, लेकिन यह पूरी तरह से बकवास है। भारत में भी 20 करोड़ मुसलमान हैं और वे पाकिस्तान की कार्रवाई की आलोचना करते हैं।

'जिया उल हक के समय से ही निर्दोष लोगों को मारा जा रहा'
हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा कि 'पाकिस्तान 1948 से ही भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है और अभी भी वह इसी में लगा हुआ है और मुझे नहीं लगता कि वह कभी ऐसा करना बंद करेगा। भारत सरकार को पाकिस्तान का विरोध करना चाहिए, लेकिन कश्मीरियों को अपनाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि 'दुनिया को इस बारे में बताया जाएगा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद लंबे समय से निर्दोष लोगों की जान ले रहा है। भारत पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का पीड़ित है। हमने पूरा तमाशा देखा है और जिया उल हक के समय से लोगों को मारा जा रहा है।'
ओवैसी ने कहा कि 'भारत को पाकिस्तान की आतंकवाद की नीति को उस समय समझ जाना चाहिए था, जब उसने आजादी के तुरंत बाद कबीलाई घुसपैठियों को जम्मू कश्मीर भेजा था।

सीआरपीएफ ने बेस पर तैयार किया मैनुअल अलार्मिंग सिस्टम

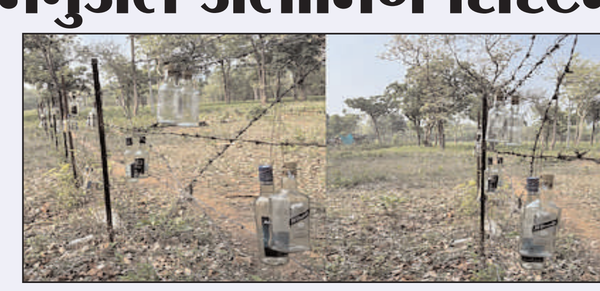

रायपुर
छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित इलाकों में सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा', नक्सलियों के ठिकानों को 'नेस्तानाबूत' कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की वह घोषणा कि 31 मार्च 2026 तक देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा, सीआरपीएफ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। डीआरजी सहित दूसरे बल भी इस काम में लगे हैं। घने जंगलों में स्थित 'फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस' (एफओबी), जहां हर तरह की तकनीक नहीं पहुंच पाती, वहां पर सीआरपीएफ ने अपने स्तर पर सुरक्षा की मैनुअल तकनीक विकसित की है। नक्सल प्रभावित इलाकों में बने अधिकांश कैंप/एफओबी की कंटीली तार वाली फेंसिंग पर शराब/बीयर की बोतलें टंगी रहती हैं। शुरू में देखने वाले को यह अटपटा सा लगता होता, मगर ये एक प्रभावी 'मैनुअल अलार्मिंग सिस्टम' है। जैसे ही कोई भी व्यक्ति या जानवर, तारों को टच करता है तो ये कांच की बोतलें, आपस में टकराने लगती हैं। इस आवाज को सुनकर एफओबी पर तैनात सुरक्षा कर्मी सतर्क हो जाते हैं।

जम्मू-कश्मीर पर्यटन पर काफी बुरा असर पड़ा है: उमर

श्रीनगर
मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि पर्यटन पर काफी बुरा असर पड़ा है और सरकार अब अमरनाथ यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर रही है तथा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वार्षिक तीर्थयात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। मुख्यमंत्री उमर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पर्यटन पर काफी बुरा असर पड़ा है तथा इस गर्मी के मौसम में यहां शायद ही कोई पर्यटक आ रहा है। उन्होंने कहा कि हम अब अमरनाथ यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं तथा यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यहां से प्रत्येक तीर्थयात्री सुरक्षित और स्वस्थ होकर जाए। हम चाहते हैं कि वार्षिक तीर्थयात्रा बिना किसी दुर्घटना के हो तथा बाद में हम पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कर सकते हैं, इस पर विचार करना शुरू करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर एंग्री मैन पम्मा ने स्कूली बच्चों को आंतकवाद के खिलाफ दिलाई शपथ

दिव्य दिल्ली : पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर बी आर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की ओर से सैकड़ो बच्चों को एंग्री मैन व नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा आंतकवाद के खिलाफ लड़ने की शपथ दिलाई इस अवसर पर अध्यक्ष,एच.पी.एस बख्शी,अध्यक्ष-श्रीमती बीना बख्शी, निर्देशक प्रजीत बख्शी, प्रिंसिपल रूपिंदर कौर, तान्याजीत कौर, नेशनल अकाली दल महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष, भावना धवन, प्रमुख समाजसेवी राजेश चौहान सहित अनेक बच्चे उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों ने अपने हाथों से बनी आतंक के खिलाफ पेंटिंग के बैनर हाथों में लिए हुए थे और भारत माता की जय इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे।इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने सभी बच्चों को आतंकवाद के खिलाफ शपथ दिलकर संबोधित करते हुए कहा जिस प्रकार हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर करके आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है इस पूरे देश को सेना पर गर्व है। उन्होंने कहा हमें बच्चों को भी आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करना चाहिए जिससे बच्चे एक तो देशभक्त बने और अपने आस-पास होने वाली गलत गतिविधियों पर नजर रखकर प्रशासन के आंख और कान बने। परमजीत सिंह पम्मा ने कहा विदेशी कंपनियां हमारे बच्चों का ऑनलाइन गेमों से भविष्य भी खराब कर रही है। इसके लिए भी बच्चों को जागरूक करने की जरूरत है। उनकी साजिश यही है हमारे बच्चे खिलाड़ी कलाकार या फौजी ना बन सके और ऑनलाइन गेमों के जरिए अपना भविष्य खराब कर ले।

कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना, एक घंटे खंडवा में खड़ी रही ट्रेन, नहीं मिली कोई संदिग्ध चीज

खंडवा
इटारसी से भुसावल की ओर जा रही गाड़ी संख्या 11072 वाराणसी- लोकमान्य तिलक कामायनी एक्सप्रेस में शनिवार को दोपहर में बम होने से सूचना से रेलवे प्रशासन में हडकंप मच गया। चार कंट्रोल रूम से होते हुए सूचना खंडवा जंक्शन पहुंची। खंडवा स्टेशन पर ट्रेन को रोककर स्निफर डॉग की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। सभी 22 बोगियों की जांच की गई। जांच में कोई भी विस्फोटक या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। महाराष्ट्र के भुसावल कंट्रोल रूम से खंडवा जीआरपी को बम की सूचना मिली थी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397